mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-185 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
05 जुलाई 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

किसी फिल्मी कहानी ...

@ पेज 7

सुनीता विलियम्स तीसरी बार अंतरिक्ष में जाकर फंसीं

स्पेस में शरीर पर होता है बुरा असर, हर पल खतरे में रहती है जान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अंतरिक्ष में आज के समय दुनिया जा रही है। वैज्ञानिक चांद से भी आगे मंगल तक यात्रा करने का ख्वाब देख रहे हैं लेकिन क्या अंतरिक्ष में जाना इतना आसान है। अंतरिक्ष यात्रा के दौरान, उल्कापिंड, स्पेस मलबा तो खतरनाक है हीं, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहे तो भी अंतरिक्ष यात्रियों को बड़ा खतरा रहता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों पर हमेशा यह खतरा मंडराता है। यह स्वास्थ्य से जुड़ा खतरा है। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की बात करें तो वह स्पेस स्टेशन में दो बार लंबा समय बिता चुकी हैं। यानी वह इस खतरे से गुजर चुकी हैं। वहीं, जब 5 जून को वह तीसरी बार स्पेस में गई तो वहीं फंस गई। सुनीता विलियम्स बोइंग स्टारलाइनर के जरिए अपने साथी बैरी विल्मोर के साथ स्पेस स्टेशन पर गई थीं। उनके स्पेसक्राफ्ट में खराबी के कारण धरती पर वह नहीं आ पाई हैं। इस कारण वह स्पेस स्टेशन में मौजूद हैं। नासा का कहना है कि मिशन को 45 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है। अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नहीं है, जिस कारण शरीर के तरल में असंतुलन देखने को मिलता है।

मणिपुर के कैदी का इलाज नहीं कराने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मणिपुर की एक जेल में बंद बीमार कैदी को इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जाने पर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बीमार आरोपी माइनॉरिटी कुकी कम्युनिटी से था। इसलिए उसे इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जाया गया। यह दुखद है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने आरोपी का असम में इलाज कराने का आदेश देते हुए कहा कि अब हमें मणिपुर सरकार पर भरोसा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में लुनखोंगम हाओकिप नाम के एक कैदी ने इलाज कराने की मांग को लेकर याचिका लगाई थी। उसने कहा था कि वह पाइल्स और ट्यूबरक्यूलोसिस से पीड़ित होने के कारण काफी दर्द में है। हाओकिप के वकील ने दावा किया कि जेल अधिकारियों ने मेडिकल हेल्प के लिए लगातार की गई मांग पर ध्यान नहीं दिया।

संक्षिप्त समाचार

हेमंत सोरेन फिर बने झारखंड के सीएम

● जिस राजभवन से गिरफ्तार हुए, 156 दिन बाद वहीं शपथ ली

रांची (एजेंसी)। हेमंत सोरेन झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री बने। जेल से निकलने के छठे दिन ही उन्होंने राज्य की कमान एक बार फिर से अपने हाथ में ले ली है। 24 साल के झारखंड में वे 13वें सीएम बन गए। इसके साथ ही तीसरी

बार राज्य के सीएम पद की शपथ लेने वाले वे तीसरे सीएम बन गए हैं। उनसे पहले उनके पिता शिबू सोरेन और बीजेपी नेता अर्जुन मुंडा तीन बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं। हेमंत सोरेन के इस शपथ को इसलिए भी खास माना जा रहा है कि 31 जनवरी को जिस राजभवन से उनकी गिरफ्तारी हुई थी, 156 दिन बाद दोबारा फिर से उन्होंने वहीं शपथ ली। हेमंत सोरेन इसे अपनी जीत और बीजेपी के षडयंत्र की हार बता रहे हैं।

राहुल गांधी के घर के बाहर पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

● हिंदूवादी संगठनों के हंगामा करने की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पुलिस को मंगलवार को ऐसे इनपुट मिले हैं कि हिंदूवादी संगठन उनके घर के बाहर हंगामा कर सकते हैं। इसके चलते पैरामिलिट्री का एक प्लाटून राहुल के घर के बाहर तैनात किया गया है, जिसमें

स्थानीय पुलिस भी शामिल है। सोमवार को राहुल ने लोकसभा में भाजपा के खिलाफ जो भाषण दिया था, उसके चलते संसद में काफी हंगामा हुआ था। राहुल के भाषण को लेकर हिंदूवादी संगठनों में नाराजगी है, जिसकी वजह से पुलिस को शक है कि प्रदर्शनकारी उनके घर के बाहर पोस्टर लेकर जुट सकते हैं।

हाथरस हादसे के बाद प्रेमानंद महाराज ने बंद की रात की पदयात्रा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा-वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए देश के कोने-कोने से लोग पहुंचते हैं। भक्त उनके दर्शन पाने के लिए रात के समय ही परिक्रमा मार्ग में इकट्ठा हो जाते हैं, जिससे वह

महाराज जी के पावन दर्शन कर लें लेकिन आश्रम के प्रबंधन ने एक निर्णय लिया है। श्री हित राधा केलि कुंज परिकर की ओर से जारी संदेश में कहा गया कि हाथरस में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण रात के समय के दर्शन को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है।

टीम इंडिया पहुंची मुंबई, स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

● तिरंगे और ट्रॉफी के साथ विजय रथ पर सवार होकर निकले खिलाड़ी

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया ने मुंबई के नरीमन पॉइंट से वानखेड़े स्टेडियम तक विजय जुलूस निकाला। टीम इंडिया अपने विजय रथ (ओपन रूफ बस) में सवार होकर 2.2 किमी दूर स्थित वानखेड़े स्टेडियम तक विक्ट्री परेड निकाली। इसके बाद स्टेडियम में सम्मान समारोह में उन्हें 125 करोड़ रुपए का ईनाम दिया गया। हजारों की संख्या में फैंस अपने क्रिकेटर्स के स्वागत के लिए नरीमन पॉइंट पर मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार तीन लाख से ज्यादा फैंस बारिश के बावजूद विश्व विजेताओं के स्वागत के लिए पलक पांवड़े बिछाए इंतजार करते दिखे। बारिश के बावजूद 3 किमी लंबे मरीन ड्राइव पर सिर ही सिर दिख रहे थे, यहां पैर रखने की जगह तक नहीं ती। ऐसे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुलिस कमिश्नर से बात की और सुरक्षा बढ़ा दी थी।

तब टूटे दिलों को संभाला था — अब जीते दिलों का किया समान

पीएम मोदी ने मनाया विश्व विजेताओं के साथ जश्न, नाश्ते के साथ की ढेर सारी बातें

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया धड़ाधड़ मैच जीत की वनडे वर्ल्ड कप 2023 के खिताबी मुकाबले में पहुंची थी। पीएम मोदी भी अपने नाम पर बने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल देखने पहुंचे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के पीएम भी थे, लेकिन उस दिन भारत हार गया था। मैच के बाद पीएम मोदी टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम पहुंचे और प्लेयर्स, कोचिंग स्टाफ को सांत्वना दी। उन्हें संभाला और अब जब टीम इंडिया चैंपियन बनी है तो स्वदेश पहुंचते ही पीएम मोदी ने विश्व विजेताओं का स्वागत किया। इस बार माहौल अलग था। खिलाड़ियों के बीच बैठे पीएम मोदी सभी से हल्के मूड में बात करते दिख रहे थे। टी20 विश्व कप जीतकर टीम विशेष विमान से स्वदेश लौट आई।

अद्भुत मीटिंग रही, आप पर गर्व है सर...बोले विराट कोहली

पीएम से मीटिंग के बाद विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया- आज हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर बहुत गर्व हुआ। हमें प्रधानमंत्री निवास पर आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद सर। उन्होंने पीएम मोदी को टैग भी किया। देखते ही देखते तस्वीरें वायरल होने लगीं। कुछ ही देर में लाखों लाइक्स मिल गए। बता दें कि टी20 चैंपियन टीम इंडिया आज बारबाडोस से भारत लौटी, जहां सैकड़ों प्रशंसकों ने एयरपोर्ट के बाहर लगातार हो रही बूंदाबांदी और कड़ी सुरक्षा के बावजूद टीम इंडिया का भव्य स्वागत किया।

3 दिन फंसने के बाद स्वदेश लौटे चैंपियन

बारबाडोस में तूफान 'बेरिल' के कारण विमानों की आवाजाही पूरी तरह बंद होने के कारण भारतीय क्रिकेट टीम खिताब जीतने के तुरंत बाद स्वदेश नहीं लौट सकी। इस दौरान पूरी टीम अपने होटल में रुकी रही।

भारतीय टीम, सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के परिवार और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कुछ अधिकारियों के अलावा टूर्नामेंट कवर करने गए भारतीय मीडिया के कुछ सदस्य भी विमान में सवार थे। हवाई अड्डे पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

हाथरस की घटना में भोले बाबा के 6 सेवादार अरेस्ट

इनमें 2 महिलाएं, आयोजक पर एक लाख का ईनाम

8 ठिकानों पर पुलिस का छापा, राहुल गांधी भी जाएंगे

हाथरस (एजेंसी)। यूपी के हाथरस में हुई भगदड़ के तीसरे दिन आज 6 लोगों की गिरफ्तारी की गई। आईजी रेंज अलीगढ़ शलभ माथुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- गिरफ्तार सभी 6 आरोपी आयोजन समिति के सदस्य हैं। इनमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मैनपुरी का राम लड़ैते यादव, शिकोहाबाद का उपेंद्र यादव, हाथरस का मेड सिंह, मंजू यादव, मुकेश कुमार और मंजू देवी शामिल हैं। इन लोगों की देख-रेख में ही सत्संग का आयोजन चल रहा था। उधर, पुलिस ने मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर पर 1 लाख का इनाम घोषित किया है। वह अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है। वहीं, सत्संग के बाद मची भगदड़ में मौतों का आंकड़ा बढ़कर 123 हो गया है। इनमें 113 महिलाएं, 7 बच्चे और 3 पुरुष हैं। इधर, पुलिस ने एटा, हाथरस और मैनपुरी से 30 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। यह सभी भोले बाबा से जुड़े हैं। हाथरस पीड़ितों से मिलने राहुल गांधी भी जाएंगे।

केरल में दिमाग खाने वाले अमीबा से नाबालिग की मौत

● तालाब में नहाते वक्त नाक के जरिए घुसा था, तीन महीने में मौत का तीसरा केस

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में ब्रेन ईटिंग अमीबा से हुए इंफेक्शन (अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस) के चलते एक 14 साल के लड़के की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक मृदुल नाम का यह लड़का एक छोटे तालाब में नहाने गया था, जिसके चलते उसे यह इंफेक्शन हुआ। केरल हेल्थ डिपार्टमेंट ने गुरुवार को बताया कि मृदुल की बुधवार रात 11.20 बजे मौत हो गई। उसका प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था।

प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस' यानी इंफेक्शन गंदे पानी में पाए जाने वाले प्री-लिविंग अमीबा के कारण होता है। यह नाक की पतली त्वचा से शरीर में घुस जाता है।

राजस्थान में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का मंत्री पद से इस्तीफा

● बोले-राजनीति पर धर्म का अंकुश होना चाहिए, वो भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई है

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कृषि मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। आज एक धार्मिक कार्यक्रम में एक प्राइवेट चैनल से बातचीत के दौरान उन्होंने इसकी जानकारी दी। मीणा ने कहा वे दो दिन से दिल्ली में थे। उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री ने बातचीत के लिए बुलाया था, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। मीणा ने कहा कि उनकी संगठन या मुख्यमंत्री से कोई नाराजगी नहीं है। मैंने इस्तीफा देने का कहा था, इसलिए मुकर नहीं सकता। कार्यक्रम में मीणा ने आज की राजनीति पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा आज की राजनीति भगवान राम के जैसी है ये

संभव नहीं है, लेकिन राजनीति को इस ओर मोड़ना होगा। दरअसल, किरोड़ीलाल मीणा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि उन्हें जिन सीटों की जिम्मेदारी मिली है अगर वो हारते हैं तो इस्तीफा दे देंगे। नतीजों के बाद मीणा पर इस्तीफा देने का दबाव था। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी कहा था कि मीणा पीछे नहीं हटेंगे, इस्तीफा जरूर देंगे।

नॉन बायोलॉजिकल पीएम पहले मणिपुर जाएं, इसके बाद स्पेस में

बोले जयराम रमेश, इसरो चीफ ने कहा था-मोदी गगनयान से अंतरिक्ष जा सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्पेस जाने की अटकलों के बीच कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने तंज कसा है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को स्पेस में जाने से पहले मणिपुर जाना चाहिए।

जयराम रमेश ने कहा, 1 अगस्त 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर में संवैधानिक तंत्र खत्म हो गया है। कल (3 जुलाई) कोर्ट ने फिर कहा कि वह राज्य

सरकार पर भरोसा नहीं कर सकती। फिर भी नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री बातों के अलावा कुछ नहीं कर रहे हैं। इससे पहले जयराम रमेश ने बुधवार (3 जुलाई) को कहा था कि मणिपुर 3 मई 2023 से जल रहा है। विभिन्न समुदायों के बीच हिंसा हुई है।

सैकड़ों लोग मारे गए, हजारों लोग विस्थापित हुए। सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया कि राज्य में संवैधानिक मशीनरी खत्म हो गई है, लेकिन पीएम चुप हैं। आज तक मोदी मणिपुर नहीं गए। दरअसल, हाल ही में इंडियन स्पेस रिसर्च सेंटर चीफ एस सोमनाथ ने एक टीवी नेटवर्क को दिए इंटरव्यू में कहा था कि पीएम मोदी भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के यात्री हो सकते हैं। एस सोमनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के स्पेस जाने पर पूरे देश को गर्व होगा।

इसरो चीफ से सवाल किया गया था कि अगर मोदी स्पेस जाने का फैसला करते हैं तो क्या आप खुश होंगे।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में टेंट एसोसिएशन का प्रयास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए भोपाल टेंट-लाइट एवं कैटर्स एसोसिएशन ने बुधवार को बिट्टन मार्केट में हॉकर्स कॉर्नर के व्यापारियों एवं राहगीरों को जूट एवं कपड़े के थैले बांटे। साथ ही उन्हें भोपाल को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त करने की शपथ दिलाई। एसोसिएशन के अध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि के अभियान से प्रेरणा लेकर यह अभियान शुरू किया गया है।

जिस तरह से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, ग्लोबल वार्मिंग के खतरे बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सभी को मिलकर काम करना होगा। टेंट एसोसिएशन ने इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि आज हॉकर्स कॉर्नर के व्यापारियों को थैले दिए हैं, उनसे कहा है कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक को हटा दें और जूट या कपड़े के थैले ही रखें। इस कार्य में फेडरेशन ऑफ एमपी टेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह खनूजा, भोपाल टेंट लाइट कैटर्स एसोसिएशन अध्यक्ष स्वदेश सोनी, चेयरमैन रिंकू भटेजा, महासचिव योगेश श्रीवास्तव, सचिन आर्य सहित अनेक टेंट व्यापारियों ने उपस्थिति दर्ज कराकर थैले बांटे।

प्लास्टिक फ्री डे पर संविदा कर्मचारी-अधिकारी महासंघ का जागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विश्व प्लास्टिक फ्री डे पर मध्यप्रदेश संविदा कर्मचारी-अधिकारी महासंघ ने भोपाल में जागरूकता अभियान चलाया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष रमेश राठौर समेत पदाधिकारियों ने राज्य शिक्षा केन्द्र के सामने कर्मचारियों और राहगीरों को कपड़े के बैग बांटे।

साथ ही लोगों को प्लास्टिक की थैली का उपयोग नहीं करने की शपथ भी दिलाई। अध्यक्ष रमेश राठौर ने बताया कि पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए हमें पॉलीथिन का उपयोग नहीं करना चाहिए। हमेशा घर से निकलते समय कपड़े का थैला लेकर निकले, उसमें समान लेकर आए। प्लास्टिक या पन्नी के उपयोग के बाद हम उसे इधर उधर फेंक देते हैं, जिसे मवेशी खा लेते हैं जो उनकी सेहत के लिए नुकसान दायक होता है। इस अवसर पर रमेश सिंह, अनूप शांडिल्य, विजय जैन, कोपल सक्सेना, ध्यानेश्वरी मनोतिया, कामेश्वरी यादव, तृप्ति श्रीवास्तव, प्रियंका साहू, दीपिका भार्गव, हेमलता लोखंडे, संध्या गुप्ता, समीक्षा जैन, मुनेंद्र सेन, विनोद वान, ललित, प्रमोद खरे, सतेंद्र परिहार, अखिलेंद्र परिहार, निलेश सिटोके, सुनील श्री राव, जगदीश हेमनानी, राजकुमार साकल्ले सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एक साल में प्रति व्यक्ति कर्ज 6 हजार रु. बढ़ा, अगले साल तक 10 हजार रु. और बढ़ जाएगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र में वर्तमान में हर व्यक्ति पर 45 हजार रु. का कर्ज है। मार्च 2025 में यह बढ़कर 55 हजार रु. हो जाएगा। साल 2023 से 2024 के बीच एक साल में प्रति व्यक्ति कर्ज 6 हजार रु. बढ़कर 39 हजार रुपए से 45 हजार रु. हो गया। अगले एक साल में यह 10 हजार रु. और बढ़ जाएगा। बुधवार को पेश बजट में यह जानकारी सामने आई है। 3.65 लाख करोड़ रुपए के बजट में कुल राजस्व आय 2.63 लाख करोड़ रुपए है और साल भर के खर्च 3.26 लाख करोड़ रुपए है। ऐसे में राज्य सरकार को खर्चों के लिए 31 मार्च 2025 तक 94,431 करोड़ रुपए का कर्ज लेना होगा। इसमें बाजार से कर्ज की राशि 64,591 करोड़ रुपए होगी। 2023 मार्च की स्थिति में प्रदेश पर कुल कर्ज 3,19,109 करोड़ रुपए था। जुलाई 2024 तक प्रदेश पर 3,75,578 करोड़ रुपए का कर्ज हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 55 हजार का कर्ज और होगा और राज्य पर कुल कर्ज का भार 4.41 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा।

आईएएस अफसर निकुंज वर्ल्ड बैंक में सीनियर एडवाइजर बने

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 1998 बैच के मप्र सरकार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी निकुंज श्रीवास्तव को केंद्र ने वर्ल्ड बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर का सीनियर एडवाइजर नियुक्त किया गया है। वे 3 साल तक वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर सेवाएं देंगे। श्रीवास्तव वर्तमान में मप्र सरकार में राजस्व और माइनिंग डिपार्टमेंट में प्रमुख सचिव के तौर पर नियुक्त हैं। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने बुधवार को श्रीवास्तव सहित 5 अफसरों की केंद्र सरकार की विदेशों में स्थित पदों पर नियुक्ति के आदेश जारी किए। हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट कमेटी ने पांचों अफसरों की नई नियुक्ति के लिए सहमति दे दी थी।

प्राध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए बनाई जाए प्राध्यापक प्रशिक्षण नीति-उच्च शिक्षा मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय में बुधवार को उच्च शिक्षा विभाग की पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस योजनांतर्गत चयनित 55 महाविद्यालयों में चरणबद्ध रूप से अधोसंरचना विकास की आदर्श अवधारणा संबंधी बैठक हुई। मंत्री श्री परमार ने पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में अध्ययन कक्ष, प्रयोगशाला, फैकल्टी, लाइब्रेरी, रिसर्च लैब, स्किल डेवलपमेंट लैब, लैंग्वेज लैब, हॉस्टल्स, ऑडिटोरियम, कैंटीन, हेल्थ सुविधाएं, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, फायर सेफ्टी प्रावधान, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग एवं बाउंड्री वॉल आदि समस्त विषयों पर बिंदुवार चर्चा कर गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना विकास के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने प्राध्यापकों के उत्तम प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों के

समायोजन के साथ प्राध्यापक प्रशिक्षण नीति बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन प्रशिक्षण में भारतीयता के भाव अनुरूप परिवेश आधारित प्रशिक्षण पद्धति विकसित की जाए। प्रदेश के समस्त महाविद्यालयों में विद्यावन विकसित किए जाने के लिए विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, जनभागीदारी समिति अध्यक्षों सहित समाज की सहभागिता सुनिश्चित करने को भी कहा। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में चयनित महाविद्यालयों में प्रत्येक संभाग स्तर एक महाविद्यालय को आदर्श संस्थान के रूप में प्राथमिकता में लेकर विकसित किया जाए, जिसमें यूजीसी के समस्त मापदंडों का अनुपालन भी हो।

इससे अभिरप्रेरणा स्वरूप अन्य महाविद्यालयों के अधोसंरचना विकास को गति और दिशा मिलेगी। श्री परमार ने कहा कि संस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं में आयुष चिकित्सा पद्धति को भी सम्मिलित किया जाए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में उच्च गुणवत्ता के मूल्यों को स्थापित करने के लिए आवश्यक हर संभव क्रियान्वयन किया जाए। इस अवसर पर मंत्री श्री परमार ने उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल की वार्षिक पत्रिका एक्सल एसेंस का विमोचन भी किया। इस बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के सी गुप्ता एवं आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत बरबड़े, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री मनोज अग्निहोत्री, श्री राकेश श्रीवास्तव एवं उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के संचालक डॉ प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

मनीखेड़ी गोशाला में कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड में दर्ज 96 में से 25 ही गायें मौके पर मिलीं थीं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गुनगा के मनीखेड़ी गोशाला से जंगल घास चरने गईं गायें 24 घंटे बाद भी लौटकर नहीं आई पाईं। कलेक्टर के निर्देश पर बुधवार सुबह जांच करने पहुंचे दल को रिकॉर्ड के अनुसार पूरी 96 गायें नहीं मिलीं। एक दिन पहले मंगलवार को निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को सिर्फ 25 गायें मिली थीं। रिकॉर्ड में 96 होने की बात पर संचालक का कहना था कि शेष 69 जंगल घास चरने गई हैं। कलेक्टर ने तहसीलदार बैरसिया को टीम भेजकर जांच के निर्देश दिए थे। तहसीलदार लखन सिंह चौधरी ने बताया कि मौके पर 50 गायें मिली हैं, जबकि रिकॉर्ड में 96 हैं। इसकी रिपोर्ट बनाकर कलेक्टर को गुरुवार को सौंप देंगे। इसके साथ ही सभी गोशालाओं की जांच शुरू हो गई है। कलेक्टर सिंह ने मंगलवार को टीम के साथ गुनगा की मनीखेड़ी में औचक निरीक्षण किया था। कलेक्टर ने गोशालाओं में पानी, दाना की स्थिति, गायों की रिकॉर्ड में संख्या, कर्मचारियों की संख्या आदि की जांच के निर्देश दिए। तहसीलदार के निर्देश पर टीम ने गोशाला का सुबह-सुबह निरीक्षण किया। मौके पर सिर्फ 50 गाय ही मिलीं। इसके बाद उसके खिलाफ रिपोर्ट तैयार की गई। अधिकारियों का कहना था कि मौके पर संचालक द्वारा संतोषजनक जबाव नहीं दिया गया। यह बात किसी के गले नहीं उतर रही थी कि 96 में से 25 गाय जंगल क्यों नहीं गई। इसी कारण अगले दिन सुबह-सुबह जांच दल को भेजा गया। संचालक से कहा गया था कि सुबह गायों को कहीं नहीं भेजा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक गड़बड़ी की आशंका के चलते अब गोशाला का पूरा रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। इसमें गोशाला का बजट कितना था, उसमें कितनी अधिकतम गायें दिखाई गई हैं। गोशाला में कहां से गायें आ रही थीं। गायें किस तरह और कौन लाता था। गोशाला संचालकों से मामले में पूछताछ भी की जा सकती है।

ऐसी बारिश रही तो जुलाई अंत तक बड़ा तालाब फुल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जून के बाद जुलाई में भी अच्छी बारिश हो रही है। बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में आने वाले भोपाल और सीहोर इलाके में अब तक 248.6 मिमी बारिश हो चुकी है। इससे बड़े तालाब में 9 दिन (22 से 30 जून) में ही शहर की आधी आबादी की 10 दिन की जरूरत का पानी जमा हो गया। यानी आधा फीट भर गया है। विशेषज्ञ कहते हैं ऐसी ही बारिश जारी रही तो जुलाई अंत में तालाब फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट तक या आसपास पहुंच सकता है। 21 जून को लेवल 1658 फीट था। अब 1658.50 फीट हो गया है। 22 जून से 30 जून तक 9 दिन में तालाब के लेवल में चार बार इजाफा हुआ। पहली बार इसमें 0.10 फीट की बढ़ोतरी हुई।

दूसरी बार भी इतना ही इजाफा हुआ। तीसरी बार जल स्तर में 0.20 फीट और चौथी बार फिर लेवल में 0.10 फीट की बढ़ोतरी हुई।

4 दिनों तक बारिश का दौर... बुधवार को भोपाल में शाम तक 15.2 मिमी बारिश हुई। मप्र में अगले 4 दिन बारिश का यलो अलर्ट है। बड़े तालाब का लेवल आधा फीट बढ़ने से 75 एमसीएफटी (मिलियन क्यूबिक फीट) पानी इकट्ठा हो गया। 75 एमसीएफटी में 2 अरब 10 करोड़ लीटर पानी होगा। एक व्यक्ति को एक दिन में 150 लीटर पानी की जरूरत होती है। ऐसे में यह 14 लाख लोगों की 10 दिन की जरूरत पूरी कर सकता है। जैसे-जैसे लेवल बढ़ता है पानी का फैलाव भी बढ़ जाता है।

60 साल के बुजुर्ग का हाई रिस्क ऑपरेशन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में एक जटिल ऑपरेशन करके डॉक्टरों ने एक मरीज की जान बचाई। दरअसल 60 साल के बुजुर्ग व्यक्ति के दिमाग की नस का एक हिस्सा सूज गया था। इस वजह से उसे मिर्गी के दौरे आने लगे तो मरीज अपनी इस परेशानी को लेकर बीएमएचआरसी पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने रेडियोलॉजिकल इंटरवेंशन प्रक्रिया के जरिए मरीज का इलाज किया। मरीज की हालत में काफी सुधार होने पर अब उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। संस्थान के न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी और प्रोफेसर डॉ. संदीप सोरते ने बताया कि मरीज की जांच में पता चला कि उनकी बांई कैरोटेड ऑर्टरी का एक हिस्सा फूल गया है। इस बीमारी को आईसीए एन्यूरिज्म कहा जाता है। एन्यूरिज्म बहुत ही घातक स्थिति होती है, क्योंकि फूली हुई नस के किसी भी समय फटने का खतरा होता है। इस स्थिति से जूझ रहे काफी मरीज तो समय रहते अस्पताल ही नहीं पहुंच पाते।

न्यूरो सर्जरी विभाग में ही एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सौरभ दीक्षित ने बताया कि रेडियोलॉजी विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. राधेश्याम मीणा के साथ मिलकर रेडियोलॉजिकल इंटरवेंशनल प्रक्रिया एंडोवस्क्युलर तकनीक का इस्तेमाल करके मरीज का जटिल ऑपरेशन किया। इस तकनीक में पैरों की नस से एक कैथेटर(एक तरह का तार) मस्तिष्क की कैरोटेड ऑर्टरी के प्रभावित हिस्से तक पहुंचाई गई और यहां एक विशेष तरह की सामग्री प्लेटिनम कॉइल के जरिए नस के फूले हुए हिस्से को भर दिया गया। इस प्रक्रिया को कॉइलिंग कहा जाता है। न्यूरो सर्जरी विभाग में ही सहायक प्रोफेसर डॉ. अंकुर श्रीवास्तव ने बताया कि मरीज को करीब 15 दिन तक गहन मॉनिटरिंग में रखा गया। स्वास्थ्य में सुधार होने पर उसे छुट्टी दे दी गई। डॉ. दीक्षित ने बताया कि शहर के चुनिंदा अस्पतालों में ही यह सुविधा उपलब्ध है।

श्री गौर राधा-मदन-गोपाल मंदिर शांतिनगर भोपाल से निकलेगी रथयात्रा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी में महाप्रभु जगन्नाथ की यात्रा की तैयारी अंतिम चरण में है। श्री कृष्ण चैतन्य महाप्रभु प्रेम भक्ति समिति 7 जुलाई को पुराने शहर में रथयात्रा निकालेगी। समिति के द्वारका प्रसाद माहेश्वरी ने 40 वर्ष पहले हाथ ठेले पर यात्रा शुरू की थी और अब 5 टन के स्टील के रथ पर विराजमान होकर महाप्रभु श्रद्धालुओं को दर्शन देने के लिए निकलते हैं। दादा की इस परंपरा को अब पोतियां राधिका, दीपिका, विष्णुप्रिया और भक्ति माहेश्वरी आगे बढ़ा रही हैं। प्रमोद नेमा और दीपिका माहेश्वरी ने बताया कि वृंदावन से 40 वर्ष पहले वासुदेव शरण महाराज आए थे। उन्होंने शांतिनगर स्थित हमारे निवास पर महाप्रभु जगन्नाथ एवं राधा-कृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर रथयात्रा प्रारंभ कराई थी। तब दादाजी द्वारका प्रसाद माहेश्वरी और पिता हरि विष्णु माहेश्वरी ने यह दायित्व संभाला। वर्ष 2018 में पिताजी और दादाजी का निधन हो गया। उसके बाद रथयात्रा निकालने एवं मंदिर में पूजा करने की जिम्मेदारी हम चारों बहनों ने संभाल ली। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में रथयात्रा को उतनी भव्यता नहीं दी जा सकी, जितने भव्य तरीके से दादाजी और पिताजी निकाला करते थे। वर्ष 2020 और 2021 में कोरोना के कारण कार्यक्रम प्रभावित हुआ, पर वर्ष 2022 से लगातार कार्यक्रम को भव्य बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाथ ठेले से प्रारंभ हुई यह परंपरा आज क्षेत्र का गौरव बन गई है। महाप्रभु के भक्त दूर-दूर से आकर रथयात्रा में शामिल होते हैं। रथयात्रा के लिए प्रभातफेरी का सिलसिला शुक्रवार से शुरू हो जाएगा। इस दौरान लोगों को महाप्रभु की यात्रा में शामिल होने को कहेंगे।

किराए के विमान से उड़ान भर रहे एमपी के सीएम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री किराए के विमान से उड़ान भर रहे हैं। इसके लिए अलग-अलग 12 विमान कंपनियों के साथ अनुबंध किया गया है। समय - समय पर दूरी और शहर के अनुरूप इन विमानों को किराए पर लेकर मुख्यमंत्री उपयोग करते हैं। पिछले लंबे समय से यही व्यवस्था है जिस वजह से राज्य का एक बड़ा कोष किराया भरने में ही चला जाता है। ऐसे में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश पर राज्य सरकार ने नया स्टेट जेट प्लेन खरीदने की प्रक्रिया तेज कर दी है। पिछले वर्ष डेढ़ सौ करोड़ रुपये और इस वित्तीय वर्ष में 75 करोड़ रुपये का बजट प्रविधान किया गया है। बजट की उपलब्धता के बाद विमानन विभाग ने जेट प्लेन के लिए टेंडर बुलाए थे। टेंडर में कनाडा की मांट्रियल स्थित विमान निर्माता कंपनी

बोम्बरडियर ने नए प्लेन चेलेंजर 3500 तथा ब्राजील की एनारायर कंपनी ने प्लेन प्रेटर 600 के लिए अपनी दरें दी हैं। इनमें चेलेंजर 3500 की दर 245 करोड़ रुपये है जबकि प्रेटर 600 की दर 278 करोड़ रुपये है। चेलेंजर 3500 की दर कम होने से इसे एल-1 में रखा गया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली कमेटी ने चेलेंजर 3500 को खरीदने की अनुशंसा की है और अब वित्त विभाग की स्वीकृति मिलने पर कैबिनेट में इसका प्रस्ताव रखा जाएगा और वहां से मंजूरी मिलने पर क्रय आदेश जारी कर दिया जाएंगे। कनाडा की कंपनी बोम्बरडियर ने अपने प्लेन चेलेंजर 3500 के लिए जो बिड दी है उसमें प्लेन की मूल लागत 233 करोड़ 98 लाख रुपये, एक साल के लिए पायलट उपलब्ध कराने का शुल्क सात करोड़ 10 लाख रुपये तथा प्लेन का एक साल तक रखरखाव करने का शुल्क चार करोड़ 17 लाख रुपये बताया है। इस प्रकार कुल लागत 245 करोड़ रुपये है जो डॉलर में दो करोड़ 93 लाख 57 हजार 808 है। जबकि ब्राजील की कंपनी एनारायर ने अपने जेट प्लेन प्रेटर 600 की मूल कीमत 241 करोड़ 34 लाख रुपये, एक साल तक पायलट उपलब्ध कराने का शुल्क नौ करोड़ 21 लाख रुपये तथा एक साल तक रखरखाव शुल्क 27 करोड़ 67 लाख रुपये बताया है। इस प्रकार इस प्लेन की कुल कीमत 278 करोड़ रुपये बताई है जो डॉलर में तीन करोड़ 33 लाख 17 हजार 848 है। दोनों प्लेन की सीटिंग कैपेसिटी आठ प्लस टू है, यानि प्लेन में आठ यात्री बैठ सकेंगे एवं दो पायलट रहेंगे। दोनों कंपनियों ने 20 माह में इसे तैयार कर डिलिवरी करने का वायदा किया है।

प्रति घंटा उड़ान का दो से पांच लाख रुपये किराया देती है सरकार

किराए के विमान से उड़ान भरने के लिए राज्य सरकार प्रति घंटा दो से पांच लाख रुपये किराया देती है।

माखनलाल विश्वविद्यालय में विकसित भारत-2047 मीडिया की भूमिका पर व्याख्यान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के माखनपुरम परिसर में विकसित भारत 2047 मीडिया की भूमिका विषय पर बुधवार को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलगुरु प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी थे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. के.जी. सुरेश ने की। इस मौके पर प्रो. वाजपेयी ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। प्रो. सुरेश ने कहा कि विकसित भारत हम सब का सपना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम क्या कुछ कर सकते हैं ? क्या करना

चाहिए ? क्या योगदान दे सकते हैं ? इस बारे में हमें सोचना है और करना है।

प्रो. वाजपेयी ने कहा कि जब विधायिका, कार्यपालिका या न्यायपालिका भटक जाए तो मीडिया राह दिखाने का कार्य करती है। हमें सबको साथ लेकर 2047 के विकसित भारत के लिए मिलकर प्रयास करना होगा और देश के लिए अपना योगदान देना होगा। प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने कहा कि भारतवर्ष एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में विख्यात है। संस्कृतियों को जोड़ने वाली महाशक्ति हमारी आध्यात्मिकता है। आध्यात्मिकता तत्व हम सबको जोड़ता है। हम एक हैं, उसकी अभिव्यक्ति सबमें में हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत के विकसित राष्ट्र के निर्माण में मीडिया की बहुत अहम भूमिका है। प्रो. सुरेश ने कहा कि विश्वविद्यालय को समाज से अलग नहीं देखा जाना चाहिए। विश्वविद्यालय एक प्रकार से थिंक टैंक होता है, एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना में हमें भारत के विकास में योगदान देना है ।

प्रो. सुरेश ने कहा कि हमें अपने देश को विकसित राष्ट्र बनाना है । कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रकाशन विभाग के निदेशक डॉ. राकेश पांडे द्वारा किया गया। द्रोणाचार्य कक्ष में आयोजित इस विशेष व्याख्यान में कुलसचिव प्रो. डॉ अविनाश वाजपेयी सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का संतुष्टि के साथ करायें गुणवत्तापूर्ण निराकरण : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वह अपने विभाग से संबंधित शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे तथा शिकायतों की संख्या के आधार पर प्रतिदिन शिकायतों के निराकरण का लक्ष्य निर्धारित करते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराएंगे।

कोई भी शिकायत अन-अटेंडेड नहीं रहे तथा निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम हो। उन्होंने विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेने तथा शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि जो विभाग बी, सी और डी ग्रेड में है वह ए ग्रेड में आने के लिए प्रयास करें। निम्न गुणवत्ता वाले शिकायतों को रिओपन कर संतुष्टि पूर्ण निराकरण करें जिससे जिले की ग्रेडिंग में सुधार होगा।

कलेक्टर ने 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का शतप्रतिशत निराकरण करना है। सीएम हेल्पलाइन में बजट संबंधी कारणों, नीतिगत कारणों या सिविल अथवा उच्च न्यायालयों में प्रकरण लंबित होने जैसे कारणों से लंबित शिकायतों को छोड़कर शेष सभी प्रकार की लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने शत प्रतिशत हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले में संचालित शून्य शक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि अभियान की मॉनिटरिंग संबंधित क्षेत्र के उपखण्ड अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करेंगें। शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं विशेषकर सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को अभियान की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सेक्टर अधिकारियों को शासन की सभी योजनाओं की प्रगति पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे ने स्वास्थ्य विभाग की सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के निराकरण की स्थिति अत्यधिक खराब होने के कारण सीएम हेल्पलाइन नोडल की एक वेतन वृद्धि रोकने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में सभी विभागों के एल1 एवं एल2 अधिकारी उपस्थित रहे।

बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक की गुणवत्ता जॉच हेतु विक्रेताओं के दुकान से सेम्पल लिये गये : उप संचालक कृषि

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उप संचालक कृषि द्वारा जानकारी दी गई है कि वर्ष 2024-25 में जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक दवाइयां उपलब्ध कराने की दृष्टि से जिले में निरीक्षण दल का गठन किया गया है, जिसके तहत् पी.एल. कुशवाहा अनुविभागीय कृषि अधिकारी, विवेक कुमार दुबे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, परषोत्तम बागरी प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकास खण्ड मझौली एवं एस के सिंह कृषि विकास अधिकारी जिला कार्यालय सीधी को दल में शामिल कर दुकानों के निरीक्षण एवं सेम्पलिंग कार्य का दायित्व सौंपा गया है।

निरीक्षण दल द्वारा संबंधित विकास खण्ड में कृषि आदान विक्रेता के दुकानों का निरीक्षण एवं सेम्पलिंग की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। दल द्वारा अभी तक बीज के 81, उर्वरक के 18 एवं कीटनाशक के 2 नमूने लेकर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भिजवाए गये है। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को नियमानुसार दुकान संचालित करने व आवश्यक अभिलेखों का अद्यतन संधारण हेतु निर्देश तथा समझाइस के साथ-साथ किसी प्रकार की अनियमितता नहीं करने की हिदायत दी गई।

प्रयोगशाला भिजवाए गये उपरोक्त नमूनों में से उर्वरक के 18 नमूनों के परीक्षण परिणाम प्राप्त हो चुके है जिसमें 1 नमूना अमानक पाये जाने पर विक्रेता का विक्रय प्रतिबंधित करते हुये कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है। इसी प्रकार शेष नमूनों के जैसे-जैसे परीक्षण परिणाम प्राप्त होंगे उन पर गुण दोष के आधार पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

स्थानीय निर्वाचन मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण संबंधी वीसी 5 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण/समीक्षा बैठक व्ही.सी. के माध्यम से 5 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे से आयोजित की गई है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उक्त प्रशिक्षण/समीक्षा बैठक में निर्धारित समय एवं तिथि पर एन.आई.सी. सीधी में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

किसान भाई धान की नर्सरी डालने के पूर्व बीजों का शोधन अवश्य करें : उप संचालक कृषि

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। खरीफ सीजन की प्रमुख फसलों में शामिल धान की नर्सरी डालने के पहले अगर सही तरीके से बीजों का शोधन कर लिया जायें, तो फसल रोपाई के बाद धान की फसल को रोग से बचाया जा सकता है। तत्सम्बन्ध में उप संचालक कृषि सीधी द्वारा बताया गया कि धान की फसल को सबसे ज्यादा जिस रोग से नुकसान पहुंचता है, वह है कंडुआ रोग। अगर यह रोग फसल में लग जाए, तो धान की पूरी फसल को बर्बाद कर देता है, साथ ही अगल-बगल की फसल को भी अपनी चपेट में ले लेता है, इसलिए किसानों को धान की फसल को कंडुआ रोग से बचाने के लिए बीजों का शोधन जरूर करना चाहिए। धान की फसल में लगने वाला कंडुआ रोग फफूंद जनित है, जिससे 60 से 90 फीसदी तक फसल प्रभावित हो जाती है।

यह सामान्यतः तापमान अधिक होने एवं हवा में आर्द्रता अधिक होने के चलते तेजी से फैलता है। धान में यूरिया का ज्यादा प्रयोग भी इस रोग को बढ़ाता है। यह रोग प्राथमिक तौर पर बीज से शुरू होता है, इसलिए बीज शोधन अत्यंत जरूरी है।

धान बीज शोधन के लिए 25 किलोग्राम बीज के लिए सबसे पहले 4 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लीन दवा को 40 से 45 लीटर पानी में घोल लेते हैं, फिर इसमें 16 से 18 घंटे तक धान बीज को भिगो कर निकालने के बाद छान कर छाया में सुखाते हैं, इस के बाद 60 ग्राम कार्वेन्डाजिम धान में मिला कर जूट की बोरियों को भिगो कर ढक देते हैं। 15 से 18 घंटे बाद जब बीज में सफेद अंकुरण दिखाई देने लगे, तो नर्सरी डालने के बाद रोग का खतरा कम हो जाता है।

इसके अलावा धान में जैव उर्वरकों एवं नैनो डीएपी का भी उपयोग करके फसल को रोग एवं कीटब्याधित से बचाया जा सकता है। जैविक उर्वरक के रूप में एजोस्प्रिलियम या एजेटोवेक्टर एवं पीएसबी जीवाणुओं की 5 किग्रा को 50 किग्रा. प्रति हेक्टेयर सूखी सड़ी हुई गोवर की खाद में मिलाकर खेत में मिला दे इसके पश्चात् धान के रोपित खेत में (20 दिन रोपाई उपरान्त) 15 किग्रा. प्रति हेक्टेयर नीलहरित काई का भुरकाव 3 से.मी. पानी की तह रखते हुये करें। इसी प्रकार नैनो डीएपी तरल का बीजोपचार हेतु 5 मि.ली. प्रति किग्रा. की दर से करें एवं उपचारित बीजों को 20-30 मिनट तक छांव में सुखाने के उपरान्त ही बोवाई करें। उप संचालक कृषि द्वारा किसान भाइयों से अपील की गई है कि उपरोक्त सुझाव पर अमल करते हुये धान की फसलों को रोगो से बचायें।

आंगनवाड़ी केन्द्र संचालन का समय निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जानकारी देकर बताया है कि वर्तमान में वर्षा ॠतु होने के कारण आगामी आदेश तक आंगनवाड़ी केन्द्र संचालन का समय प्रातः 9 बजे से दोपहर 04 बजे तक निर्धारित किया गया है।

जारी आदेशानुसार प्रातः 09 बजे आंगनवाड़ी खोलना तथा बच्चों का स्वागत करना, निर्मल समय-बच्चों की साफ-सफाई का अवलोकन तथा बच्चों की व्यक्तिगत साफ-सफाई, 09:30 से 10 बजे सामूहिक गतिविधियों का आयोजन, 10 बजे 10:30 नास्ता, 10:30 से 11 बजे बच्चों के द्वारा स्वतंत्र खेल, 11 बजे से 11:30 छोटे समूह की गतिविधियों का आयोजन, 11:30 से 12 बजे भाषा एवं साक्षरता पूर्व कौशल गतिविधियों का आयोजन, 12 बजे 12:30 रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन, 12:30 से 01 बजे बाहरी खेल गतिविधियों का आयोजन, 01 बजे से 02 बजे तक भोजन एवं बच्चों को उनके गंतव्य अभिवावकों तक पहुंचाना एवं 02 बजे से 04 बजे तक कार्यकर्ता द्वारा गृहभेट, अभिलेखों का संधारण एवं अन्य गतिविधियां आयोजित की जायेगी।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अधीक्षण अभियंता म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लिमि. सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि 132/33 के.व्ही.ए. उपकेन्द्र अगडाल से निकलने वाली 33 के.व्ही.फीडर कोठिया, धनहा, रामपुर नैकिन, बघवार और झिन्ना फीडर में कन्डेक्टर तार खीचने एवं मेन्टीनेन्स कार्य कराये जाने के लिए 5 जुलाई 2024 को सुबह 09 बजे से दोपहर 01 बजे तक विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी।

उन्होंने बताया कि फीडर 33 के.व्ही झिन्ना फीडर, बघवार फीडर, धनहा फीडर, रामपुर नैकिन फीडर एवं कोठिया फीडर से संबंधित सभी गॉव की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

सांसद डॉक्टर मिले केंद्रीय कोयला मंत्री से, सौपा मांग पत्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। लोकसभा सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री किसन रेड्डी से भेंट कर सिंगरौली में एनसीएल द्वारा किए जा रहे देश के सबसे बड़े विस्थापन जिसमें लगभग 75000 की जनसंख्या प्रभावित हो रही। इस संदर्भ में उनसे विस्तृत चर्चा की और माग पत्र सौपा।

सांसद डॉ राजेश मिश्रा द्वारा शौपे गए मांग पत्र में सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र की सिंगरौली जिले में एनसीएल द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों एवं उससे उत्पन्न समस्याएं समस्याओं के निराकरण की मांग स्थानीय जनता के हितों को देखते हुए रखी, जिससे प्रभावित होते केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने सम्पूर्ण विषयों को संज्ञान में लेते हुए शीघ्र निराकरण हेतु आश्वासन दिया है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे ने बताया कि सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने कहा कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं जनसामान्य से चर्चा कर जनता के हितों की रक्षा की जाएगी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री रेड्डी और सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा के बीच देर तक चली चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री रेड्डी सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा की क्षेत्र वासियों के बीच उठा रहे मुद्दों और सक्रियता से अत्यधिक प्रभावित हुए और शानदार विजय अर्जित कर ने की शुभकामनाएं दी। साथ ही संसदीय क्षेत्र की समस्त जनता के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। सांसद डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि मैं अपने सीधी,सिंगरौली और व्यौहारी संसदीय क्षेत्रवासियों की सुरक्षा व सेवा हेतु कृतसंकल्पित हूं।

व्हीव्हीपीएटी मशीनों से पेपर रोल एवं एड्रेस टैग निकालने 5 को वेयर हाउस खोला जाएगा

सीधी निप्र। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के मतगणना समाप्ति पश्चात ईव्हीएम वेयर हाउस के स्ट्रांग रूम में रखे व्हीव्हीपीएटी मशीनों का विधानसभावार व्हीव्हीपीएटी मशीनों से पेपर रोल एवं एड्रेस टैग निकालने की कार्यवाही पूर्ण कर प्रमाण-पत्र चाहा गया है। उपरोक्त कार्य हेतु दिनांक 05.07.2024 को सुबह 11 बजे वेयर हाउस खोला जाना है। उन्होने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष को सूचित किया है कि निर्धारित समयावधि मे आप स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि को उपस्थित रहने हेतु निर्देशित करें।

बघेली बोली में महिला का वीडियो वायरल

प्रधानमंत्री से की ग्राम खड्डी में सड़क बनवाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले की ग्राम खड्डी की एक महिला का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जहां महिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी लोकल बघेली बोली में सड़क बनवाने की मांग कर रही है। महिला ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा 29 की 29 सीट जीत गई हैं, लेकिन हमारे यहां आज भी ऐसी सड़क है, जोकि अब तक नहीं बनी है। इसकी वजह से हमें परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

जब इस वीडियो की पड़ताल की गई तो यह वीडियो सीधी जिले के रामपुर जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम खड्डी की लीला साहू का बताया गया है, जिसके यूट्यूब पर एक मिलियन सब्सक्राइबर हैं। लीला एक इन्फ्लुएंसर हैं जोकि सामाजिक मुद्दों के साथ-साथ पर्सनल ब्लॉग भी बनाती हैं।

ससुराल जाने का रास्ता गड्ढों में तब्दील: इस पूरे वीडियो के मामले में लीला साहू से बात की गई तो लीला साहू ने बताया है कि मेरी ससुराल ग्राम खड्डी में है। ससुराल जाने का एकमात्र यही रास्ता है, जोकि गड्ढों में तब्दील है। यह आज की समस्या नहीं है, करीब 20 सालों से यही हाल है।

इसलिए मैंने अपने ब्लॉग में इसका जिक्र किया है और बघेली बोली में उसे दिखाया है ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक यह वीडियो जाए और वह हमारे क्षेत्र की रोड बनवा दें। उन्होंने यह भी बताया कि मैं अपने पति के साथ दिल्ली घूमने आई हूं।

मजदूर के बैग से 90 हजार की चोरी

लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया, एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत गुरुवार की सुबह बस स्टैंड पर चोर गिरोह ने बस के अंदर रखे बैग से 90 हजार रुपए चुरा कर भागने लगे। महिला ने चोरों को बैग ले जाते हुए देख लिया और चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर लोगों ने आरोपियों को दबोच लिया और जमकर मारपीट कर दी। उसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। हालांकि, थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

महेश पिता इमरत कुर्मी (32) निवासी ग्राम खैरा थाना गैसाबाद जिला दमोह का रहने वाला है। परिवार की स्थिति ठीक न होने के कारण 2 साल पहले परिवार सहित पत्नी रामकली, बेटा कार्तिक के साथ मजदूरी करने के लिए दिल्ली गया था। बुधवार की रात 9.30 बजे बस पर बैठ अपने घर ग्राम खैरा आ रहा था। इसी दौरान गुरुवार की सुबह 9:40 बजे जब वह छतरपुर बस स्टैंड पर घर जाने के लिए बस बदली और बुंदेलखंड पर बैठ गया और पैसे से भरा बैग (90 हजार) बस की सीट के नीचे रख दिया।

जैसे ही बच्चों के लिए आइसक्रीम लेने के लिए पति बस के नीचे गया तभी 6 चोरों ने बैग में रखे पैसे चुरा लिए और भागने लगे महिला की चीख सुनकर बस में मौजूद लोगों ने चार चोरों को पकड़ लिया वही दो चोर पैसे लेकर भाग गए और लोगो ने चोरों के साथ जमकर मारपीट की, उसके बाद थाना पुलिस को चार चोरों को 10,30 बजे सौंप दिया।

पीड़ित ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई। जिसमें पुलिस ने केवल एक अज्ञात चोर के नाम एफआईआर दर्ज की। चोरों को सुबह 10.30 बजे पकड़ने के बाद शाम को 4रू30 बजे पुलिस ने एफ्आईआर दर्ज की।

पीड़ित महेश कर्मी का कहना है कि जब मैं बच्चों को आइसक्रीम लेने गया था। इसी समय चोरों ने 90 हजार रुपए बाग में रखे चुरा लिए थे। हालांकि पत्नी ने देखा तो वह चिल्लाने लगी। इसके बाद बस में मौजूद लोगों ने चोरों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने केवल एक अज्ञात व्यक्ति का नाम ही रिपोर्ट में लिखा है।

पीड़ित की पत्नी रामकली ने बताया कि 2 साल पहले हम लोग मजदूरी करने के लिए दिल्ली गए थे वहां से मेहनत मजदूरी करके पैसे जमा करके घर वापसी जा रहे थे तभी चोरों ने पैसे से भरा बैग से पैसे चुरा लिए है।

बेटे की गुल्लक फोड़ कर बैग में पैसे रखे थे: महिला का आरोप है कि पुलिस ने हमारे बताने के मुताबिक रिपोर्ट नहीं दर्ज की। वहीं पुलिस थाने में चोरों की खातिरदारी करते नजर आ रही है। मेरे सामने चोरों को खाना खिलाया जा रहा है। ब्ैच् अमन मिश्रा ने बताया कि आपके तरफसे जानकारी मिली है। मैं जानकारी करता हूं जो भी कठोर कार्रवाई होगी। आरोपियों के खिलाफ की जाएगी।

एसपी आगम जैन ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल करवाता हूं। जो भी विधिक कार्रवाई होगी। आरोपियों के खिलाफकी जाएगी।

जिले में औसत वर्षा 113.4 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा रामपुर नैकिन में

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 04 जुलाई को सीधी जिले में 1.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.5 मि.मी., चुरहट में 1.0 मि.मी., गोपद बनास में 7.2 मि.मी., सिहावल में 3.0 मि.मी., बहरी में 1.4 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 113.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 04 जुलाई तक तहसील रामपुर नैकिन में सर्वाधिक वर्षा 166.6 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील चुरहट में 38.8, गोपद बनास में 107.6, सिहावल में 102.2, बहरी में 104.8 मझौली में 108.0 मि.मी. और कुसमी में 166.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 117.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 3.8 मि.मी. औसत वर्षा कम हुई है।

नवनियुक्त पटवारियों का सैद्धांतिक प्रशिक्षण सम्पन्न

कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पटवारियों को किया प्रोत्साहित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले में नवनियुक्त प्रशिक्षु पटवारियों का सैद्धांतिक प्रशिक्षण 07 मार्च से 03 जुलाई 2024 के मध्य आयोजित किया गया। इसके पश्चात उन्हें उनकी आवंटित तहसीलों में वरिष्ठ पटवारियों के मार्गदर्शन में व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु भेजा जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के अवसर पर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए अपने कर्तव्यों का पूरी संवेदनशीलता और निष्ठा से निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने कहा कि पटवारी राजस्व विभाग की धुरी है। उसकी कार्यकुशलता से ही राजस्व विभाग के कार्यों में अपेक्षित प्रगति संभव है। पटवारी की कार्यप्रणाली से ही पूरे राजस्व विभाग की छवि निर्मित होती है। कलेक्टर ने कहा कि लोगों की राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान में पटवारी को सदैव तत्पर रहकर कार्य करने की आवश्यकता है। कलेक्टर ने कहा कि कलेक्टर की तरह पटवारी का पद भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। दोनो का मूल कर्तव्य अंतिम छोर के व्यक्ति की मूलभूत समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करना है। सभी विभागों से समन्वय कर अपने क्षेत्र में सक्रिय होकर कार्य करें जिससे लोग आपके अच्छे कृत्यों के लिए याद रखें।

इस अवसर पर अधीक्षक भूअभिलेख रवि श्रीवास्तव, सहायक अधीक्षक मुनेंद्र तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ पटवारी प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

विचार

नये भारत में बदलाव के कानून, जल्द मिलेगा न्याय

भारतीय न्याय प्रणाली की कमियां को दूर करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना नये भारत की अपेक्षा है। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो, कानूनी प्रावधान न्यायसंगत एवं अपराध-नियंत्रण का माध्यम हो, वह आसानी से मिले, जटिल प्रक्रियाओं से मुक्त होकर सस्ता हो। निश्चित रूप से किसी भी कानून का मकसद नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति व अधिकारों की रक्षा करना ही होता है। जिससे किसी सभ्य समाज में न्याय की अवधारणा पुष्ट हो सके। 1 जुलाई, 2024 से भारत आपराधिक न्याय के एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है। न्याय का एक नया सूरज उदित हो रहा है, जब पूरे देश में लागू हुई भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता को लेकर उम्मीद करनी चाहिए कि यह बदलाव न्याय की कसौटी पर खरा उतरेंगे। इस दृष्टि से यह कानून से जुड़ी अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा अवसर भारत न्याय प्रक्रिया को एक नई शक्ति, नई ताजगी और नया परिवेश देने वाला साबित होगा। उल्लेखनीय है कि कानूनी बदलाव से जुड़े ये तीनों विधेयक बीते साल संसद में पारित किये गए थे। अंग्रेजों के बनाये कानून क्या स्वतंत्र भारत में साढ़े सात दशक बाद भी लागू रहने चाहिए, यह लम्बे समय से विमर्श का विषय बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को प्रभावी, आधुनिक, तकनीकी बनाने के लिये, अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को बदलने एवं आधुनिक अपेक्षाओं के नये कानून बनाने का साहसिक एवं प्रासंगिक कदम उठाते हुए नए कानून लाने एवं उन्हें लागे करने का बड़ा कदम उठाया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य है। विपक्षी दलों ने सांस्कृतिक, धार्मिक व भौगोलिक विविधता वाले देश के लिये बनाये गये कानूनों को भले ही व्यापक सार्वजनिक विमर्श के बाद ही लागू किया जाने की अपेक्षा व्यक्त की हो, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि जहां ब्रिटिश काल में बने कानूनों का मकसद दंड देना था, वहीं नये कानूनों का मकसद नागरिकों को न्याय देना है। मौजूदा चुनौतियों व जरूरतों के हिसाब से कानूनों को बनाया गया है। इन कानूनों को बनाने का मूल उद्देश्य अपराधमुक्त समाज की संरचना करना है। इसीलिये अपराधियों को कड़े दण्ड देने का प्रावधान किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय न्याय संहिता में विवाह का प्रलोभन देकर छल के मामले में दस साल की सजा, किसी भी आधार पर मॉब लिंचिंग के मामले में आजीवन कारावास की सजा, लूटपाट व गिरोहबंदी के मामले में तीन साल की सजा का प्रावधान है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिये भी कानून है। किसी अपराध के मामले में तीन दिन में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा सुनवाई के बाद 45 दिन में फैसला देने की समय सीमा निर्धारित की गई है। वहीं प्राथमिकी अपराध व अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम के जरिये दर्ज की जाएगी। व्यवस्था की गई है कि लोग थाने जाए बिना भी ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कर सकें। यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि इन कानूनों के माध्यम से देश में पुलिस सुधार को भी बल मिलेगा। पुलिस कानून-कायदे के तहत काम करने को विवश या बाध्य होगी।

आगामी पांच वर्षों में भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण हो सकता है दुगना

प्रह्लाद सबनानी

पूरे विश्व में विभिन्न देशों के शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने के सम्बंध में विदेशी निवेशक संस्थानों को सलाह देने वाले एक बड़े संस्थान मोर्गन स्टैनली ने हाल ही में अनुमान लगाया है कि बहुत सम्भव है कि भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे आने वाले 5 वर्षों में दुगना हो जाए। आज खुदरा निवेशक, देशी संस्थागत निवेशक, म्यूचूअल फंड, आदि द्वारा भारतीय शेयर बाजार में औसतन लगभग 1500 करोड़ रुपए के शेयरों की रोजाना खरीद हो रही है अर्थात प्रतिदिन 1500 करोड़ रुपए भारतीय शेयर बाजार में डाले जा रहे हैं, जिसके चलते ही विदेशी निवेशक संस्थानों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में शेयर बेचे जाने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार पर कुछ बहुत बड़ा असर होता दिखाई नहीं दे रहा है अर्थात अब भारतीय निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार को अपने दम पर सम्हाल लिया है।

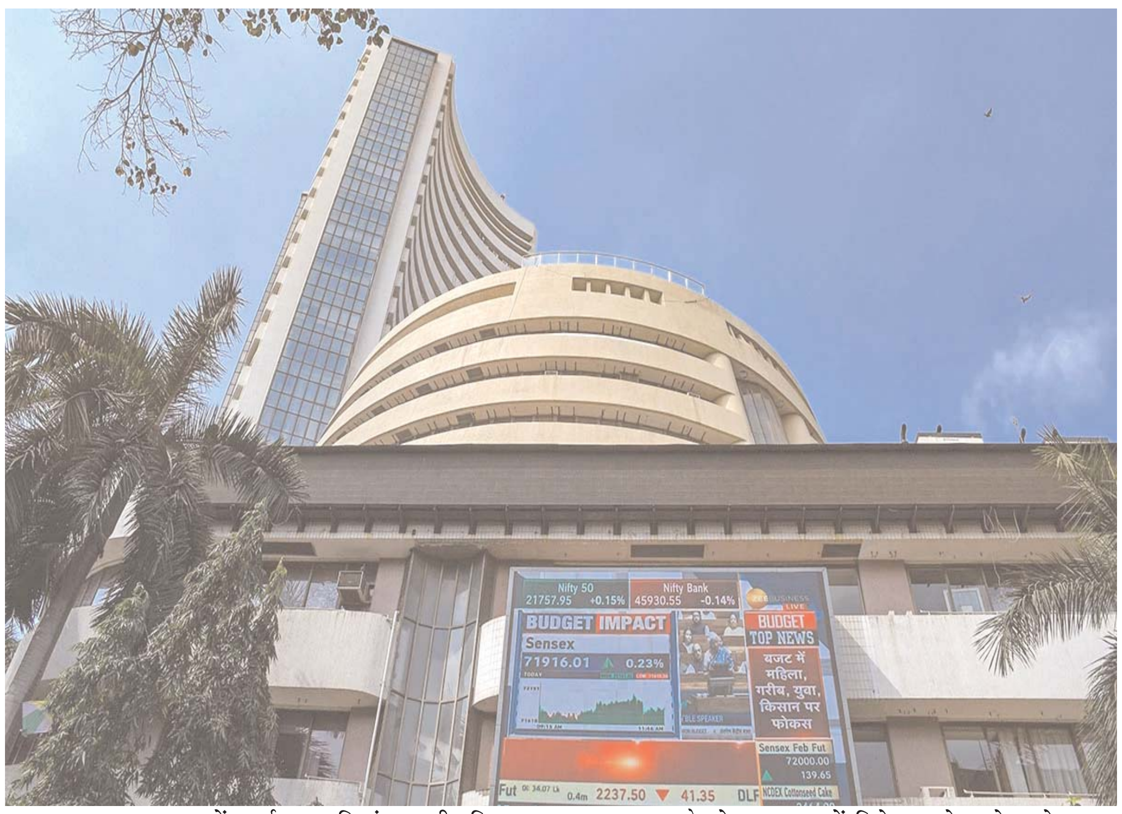

अब, जब भारत में कई कम्पनियां अपनी विस्तार योजनाओं को लागू करने जा रही हैं अतः इन कम्पनियों के द्वारा नए शेयर, बाजार में जारी किए जाएंगे, जिन्हें खरीदने के लिए विदेशी संस्थागत निवेशक भी अब से लगभग 6 माह बाद भारत में अपना निवेश वापिस लाएंगे। वर्ष 1993 से वर्ष 2013 तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार खरीद कर रहे थे और देशी संस्थागत निवेशक लगातार बेच रहे थे। वर्ष 2014 के बाद से यह सब बदलने लगा क्योंकि 2015 में पहली बार केंद्र सरकार ने प्रॉविडेंट फंड को शेयर बाजार में निवेश की अनुमति दी थी। इसी प्रकार की अनुमति 401 किमी योजना के अंतर्गत अमेरिका ने अपने प्रॉविडेंट फंड संस्थानों को वर्ष 1980 में दी थी। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में उच्छाल देखने को मिला था। अमेरिका में आज संस्थागत निवेशकों का लगभग 40 प्रतिशत भाग शेयर बाजार में निवेश रहता है जबकि भारत में यह अभी भी बहुत कम अर्थात लगभग 8 प्रतिशत ही है, इस प्रकार भारत को अभी तो बहुत आगे जाना है। भारत में पिछले वर्ष घरेलू बचत 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास थी, उसमें से केवल 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर ही शेयर बाजार में निवेश किया गया था, को कुल घरेलू बचत का 10 प्रतिशत से भी कम है। 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सोने में निवेश होता है एवं लगभग 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रॉपर्टी में निवेश होता है। इस प्रकार, भारत में शेयर बाजार में निवेश बढ़ाने की बहुत अधिक गुंजाइश मौजूद है। साथ भी अब वैश्विक स्तर पर भी यह सिद्ध हो चुका है कि सामान्यतः शेयर बाजार में सबसे अधिक रिटर्न मिलता है, अतः भारत के शेयर बाजार में निवेश आगे आने वाले समय में तेजी से बढ़ने वाला है। यदि भारत में कुल बचत का 10 प्रतिशत से आगे बढ़कर 15 प्रतिशत निवेश शेयर बाजार में होने लगे तो केवल देशी निवेशकों का निवेश ही बढ़कर 7,500 से 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता (मैक्रो स्टेबिलिटी) पर बहुत ध्यान दिया है। इससे मुद्रा स्फीति की दर में होने वाला उतार चढ़ाव नियंत्रण में रहा है और अब यह सबसे न्यूनतम स्तर पर आ गया है। 70-75 वर्षों में ऐसी स्थिरता देखी नहीं गई है। इसके कारण शेयर बाजार में, रुपए की बाजार कीमत में एवं बांड मार्केट आदि में सब जगह उतार चढ़ाव थम गया है और इन सभी क्षेत्रों में स्थिरता आ गई है। पिछले 10 वर्षों में भारत में बहुत अधिक आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी लागू किए गए हैं। अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता के आने से अब हम सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर का सही तरीके से अनुमान लगा सकते हैं, जिसके चलते हमारी आय और व्यय के अनुमान भी लगभग सही स्तर पर हो पा रहे हैं। इससे, विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है और विदेशी निवेशक भी भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। भारत के नागरिकों की जेब में सीधे पैसे डालने के बजाय सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने में सरकार ने नागरिकों की भरपूर मदद की है, जैसे 3 करोड़ से अधिक मकान बनाकर गरीब वर्ग को उपलब्ध कराए गए हैं, ग्रामीण इलाकों सहित घरों में पानी उपलब्ध कराया गया है, 95 प्रतिशत से अधिक गावों में बिजली उपलब्ध कराई गई है, लगभग सभी घरों में गैस उपलब्ध कराई गई है, सड़क मार्ग विकसित किए गए हैं, गांवों में स्वास्थ्य केंद्र खोले गए, आदि। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और वे कम बीमार पड़ने लगे हैं, उनके स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्चे कम हुए हैं और उनकी बचत बढ़ी है। कुल मिलाकर यह साइकल बहुत अच्छे तरीके से अपना काम करता दिखाई दे रहा है। सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने का कार्य अभी भी जारी है और तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इस सबका यह परिणाम भी हुआ है कि देश में पिछले 10 वर्षों में गरीबी आधी रह गई है और इसे शून्य पर लाने के लिए कार्य जारी है। भारत में उत्पादों के निर्माण में आधारभूत संरचना से सबंधित लागत बहुत अधिक है। इस पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14 प्रतिशत भाग खर्च हो जाता है, इससे उत्पादों की लागत तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। हालांकि भारत के आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए बहुत काम हुआ है। नए नए रोड बने हैं, रेल्वे का विकास हुआ है (रेल्वे का लगभग 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है), पोर्ट का विकास हो रहा है, नए एयर पोर्ट का निर्माण हुआ है, परंतु अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष हैं। वर्ष 2015 ने भारत में मालगड़ियां औसतन लगभग 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती थीं। अब वह औसतन लगभग 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं और आगे आने वाले 5 वर्षों में यह और आगे बढ़कर औसतन लगभग 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने लगेगी। इससे सबसे बड़ा लाभ उद्योग जगत को हुआ है, क्योंकि अब उन्हें कच्चे माल का स्टॉक कम मात्रा में रखना पड़ता है और इससे अंततः उनके द्वारा निर्मित उत्पाद की लागत कम हुई है। पिछले कई वर्षों से विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी लगातार कम होती रही थे अथवा स्थिर हो गई थी। परंतु, अब यह स्थिति भी बदलती जा रही है और आने वाले 5 वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ने जा रही है। इसके परिणाम कई क्षेत्रों जैसे सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेल्वे, फार्मा, औटोमोबाइल, ड्रोन निर्माण, सेमी कंडक्टर, फूड प्रासेसिंग, एयरो स्पेस, आदि में दिखाई भी देने लगे हैं। भारत शेयर बाजार पूंजीकरण की दृष्टि से विश्व में आज अमेरिका, चीन, जापान, हांगकांग के बाद 5वें स्थान पर है। तीसरे स्थान पर शीघ्र ही आ सकता है। आगामी 10 वर्षों में बहुत सम्भव है कि भारत दूसरे स्थान पर भी आ जाए क्योंकि चीन और जापान के आर्थिक क्षेत्र में जिस प्रकार की समस्याएं दिखाई देने लगी हैं, इससे अमेरिका के बाद भारत विश्व में दूसरे स्थान पर आ सकता है। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद की दृष्टि से विश्व में भारत तीसरे स्थान पर ही आ पाएगा। वर्तमान में भारत के शेयर बाजार का पूंजीकरण लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही हो पाया है। आगे आने वाले लगभग 10 वर्षों में भारत में 10 करोड़ नागरिक गरीबी से निकलकर मध्यम वर्गीय परिवार बन सकते हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 45 करोड़ हो जाएगी।

जबकि हाई नेटवर्थ नागरिकों की संख्या 50 लाख के आस पास ही है। इससे नागरिकों की खरीद क्षमता बढ़ेगी और उत्पादों की खपत भी बढ़ेगी। सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होने से गरीबी कम होती है। परंतु, महंगाई एवं विकास दर में संतुलन होना भी आवश्यक है। यदि मुद्रा स्फीति की दर बढ़ रही है तो यह गरीब वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित करती है अतः विकास दर को कम रखने का प्रयास किया जाता है ताकि महंगाई की दर को कम किया जा सके। इसी नियम को विश्व के कई देश लागू कर रहे हैं इसीलिए वैश्विक स्तर पर विकास दर भी कम हो रही है। परंतु भारत में महंगाई की दर को नियंत्रण में रखने में सफलता मिली है इसीलिए भारत की विकास दर भी 7 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। हालांकि यदि महंगाई को यदि और अधिक नियंत्रण में (लगभग 3 प्रतिशत) लाया जा सके तो भारत की आर्थिक विकास दर 8 से 9 प्रतिशत तक जा सकती है। भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में किसी प्रकार की जोखिम दिखाई नहीं दे रही है परंतु भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में होने वाली समस्याओं के चलते ही हो सकती है।

हाथरस हादसे में मौतों की जवाबदेही तय हो

ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में एक सौ इक्कीस लोगों के मरने एवं सैकड़ों लोगों के घायल होने की हृदयविदारक, दुःखद एवं दर्दनाक घटना ने पूरे देश को विचलित किया है। ऐसी घटनाएं न केवल प्रशासन की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदारी को उजागर कर रही है बल्कि धर्म के नाम पर पनप रहे आडम्बर, अंधविश्वास एवं पाखण्ड को भी उजागर कर रही है। ऐसी त्रासदियां एवं दिल को दहलाने देने वाली घटनाओं से जुड़े पाखण्डी बाबाओं की कारगुजारियों से हिन्दू धर्म भी बदनाम हो रहा है, जबकि सैकड़ों लोगों की जान लेने वाले बाबा को हिंदू धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह हादसा अनेक सवालों को खड़ा करता है, बड़ा सवाल है कि ऐसे बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी क्यों होती है? सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? क्या आयोजन-स्थल पर निकास द्वार, पानी, हवा, वैकल्पित चिकित्सा एवं चिकित्सक, गर्मी से बचने के पुख्ता इंजताम जरूरी नहीं थे? जवाबदेही तय हो भगदड़ में गयी जानों की। जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी जमकर होगी, राजनीतिक दल एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर राजनीति भी करेंगे। यह तय है कि ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है। हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। इस बाबा को कितने वेद पुराण का ज्ञान है? यह किस परंपरा से है? इसके गुरु कौन हैं? ऐसे अनेक प्रश्न है जो बाबा को शक एवं संदेह के घेरे में लेते हैं। इन्हें हिन्दू बाबा कैसे कहा जा सकता है? हिंदू धर्म में ऐसा कहां होता है? यह बाबा पहले पुलिस सेवा में थे और जिनका मैनपुरी में भव्य एवं महलनुमा आश्रम है। घटना के बाद बाबा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। भारत में भोली-भाली जनता को ठगने एवं गुमराह करने वाले ऐसे पाखण्डी बाबाओं की बाढ़ आई हुई है। इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनतीं, बल्कि देश एवं धर्म की बदनामी भी कराती हैं। इन घटनाओं पर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बजाए राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी। हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक हैं, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? कब तक ऐसे आयोजन धन कमाने के माध्यम बनते रहेंगे, जब जब धर्म का

ऐसे पाखण्ड एवं पाखण्डियों से गठबंधन हुआ है, तब तक धर्म अपने विशुद्ध स्थान से खिसका है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है। ऐसा लगता है कि अपने देश में धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कोई इसकी परवाह नहीं करता कि यदि भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था फैल गई तो उसे कैसे संभाला जाएगा? क्या इसलिए कि प्रायः मारे जाने वाले लोग निर्धन एवं गरीब वर्ग के होते हैं? एक डरावनी एवं संवेदनहीन हकीकत है कि हम ऐसे धर्म एवं धार्मिकता से जुड़े पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। खाटू श्याम में भी भीड़ में दब कर 4 लोगों की मौत हुई। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दौ से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। हाल में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल से जुड़ा हादसा मुसलमानों के पवित्र स्थल मक्का में हुआ, जहां हज यात्रियों पर गर्मी का सितम इस कदर कहर बना कि 900 से ज्यादा मौतें हुई, जिनमें 90 भारतीय ने भी जाने गंवाई। विडम्बना है कि इन बड़े-बड़े हादसों से न तो जनता कुछ सीख लेती और न ही प्रशासन। यह हैरानी की बात है कि किसी ने यह देखने-समझने की कोई कोशिश नहीं की कि भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस आयोजन की अनुमति देने वाले अधिकारियों ने भी कागजी खानापूर्ति करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यदि ऐसा नहीं होता तो किसी ने इस पर अवश्य ध्यान दिया होता कि आयोजन स्थल के पास का गड्ढा लोगों की जान जोखिम में डाल सकता है। जैसे-जैसे जीवन में धर्म का पाखण्ड फैलता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, ऐसे आयोजनों में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो ऐसे जघन्य हादसों की संख्या घट सकती है। बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। अब बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है।

सड़क हादसे का लाइव वीडियो

ट्रक के पीछे जा भिड़ी दूसरी बाइक, तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवारों को रौंदा, 2 की मौत

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा निप्र। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले में बुधवार रात को दो अलग-अलग हादसे हुए। एक हादसे में डंपर ने बाइक सवारों को रौंद दिया। जिससे दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक और हादसे में तेज रफ्तार बाइक सवार ट्रक के पीछे से टकराया। इसका लाइव वीडियो भी सामने आया है। यह दोनों हादसे नेशनल हाईवे-130 पर हुए।

जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार उदयपुर से अंबिकापुर की ओर आ रहे थे। उदयपुर में पेट्रोल पंप के सामने उनकी तेज रफ्तार बाइक डंपर क्रमांक सीजी 15 डीपी 2499 से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक ट्रक के नीचे जा घुसी।

बाइक सवार दोनों युवकों की मौत: इस हादसे में ग्राम पंचायत पोड़ी के जगन्नाथपुर निवासी आशीष पैकरा (32 वर्ष) और सेवक राम (30 वर्ष) की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। उनका चेहरा और सिर पूरी तरह से क्षत-विक्षत हो गया। जबकि सीने और पैर की हड्डियां टूट गईं। दोनों टेंट का कारोबार करते थे। उदयपुर में एक अन्न प्राशन कार्यक्रम में टेंट लगाने के बाद घर लौट रहे थे।

कैमरे में कैद हुआ एक और हादसा: बुधवार की रात को ही नेशनल हाइवे-130 पर लखनपुर थाना क्षेत्र के नावापारा के पास तेज रफ्तार बाइक सवार युवक एक ट्रक के पीछे जा भिड़े। जब आगे चल रहे ट्रक ड्राइवर ने रफ्तार धीमी की, तो उन्हें संभलने का मौका नहीं मिल पाया। इस घटना का लाइव वीडियो भी कैमरे में कैद हुआ है।

अस्पताल में चल रहा दोनों का इलाज: हादसे में दोनों युवकों के सिर और सीने पर गंभीर चोटें आई हैं। एक की हालत गंभीर बनी हुई है। लखनपुर पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से केसगवां निवासी अरविंद और उसके साथी को सीएचसी लखनपुर में भर्ती करवाया है। जहां से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि, दोनों युवक देर रात अंबिकापुर से केसगवां लौट रहे थे।

1-20 रुपए के नोटों का नंबर होता था कोडवर्ड

इसी के जरिए हवाला कारोबार, नीरू भाई समेत 4 अरेस्ट, 80 लाख कैश,नोट काउंटिंग मशीन जब्त

मीडिया ऑडीटर, भिलाई/रायपुर एजेंसी। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप से मिलने वाली करोड़ों की काली कमाई को हवाला के जरिए अलग-अलग लोगों तक भेजा जाता था। रायपुर में ऑफिस खोलकर एक-दो रुपए के नोट के नंबर (कोड वर्ड) से हवाला के जरिए रकम दूसरे राज्यों में भेजी जाती थी। इस मामले में दुर्ग पुलिस ने हवाला कारोबारी नीरू भाई समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले को ईडी को सौंपेगी।

दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि, सबसे पहले भिलाई के रुआबांधा निवासी मुख्य आरोपी विनय कुमार यादव को पकड़ा गया। पुलिस रिमांड में उससे सख्ती से पूछताछ की गई। उसने बताया कि रायपुर के शंकर नगर स्थित एक ऑफिस से हवाला के जरिए रकम भेजता था।

छापेमारी में 80 लाख कैश मिला था: आरोपी विनय यादव की निशानदेही पर दुर्ग पुलिस ने मंगलवार रात 10.30 बजे शंकर नगर के उसी ऑफिस में छापेमारी की थी, जहां से उसने हवाला के जरिए रकम भेजने की बात कही थी। छापे के दौरान यहां से 80 लाख रुपए कैश और कागज के कई बंडल मिले। जिनमें गुजराती भाषा में पूरा हिसाब-किताब लिखा हुआ था।

एसपी का कहना है कि वे उस कागज पर लिखी गई रकम और भाषा को एक्सपर्ट से पढ़वाएंगे। आरोपियों से पूछताछ में बड़ा खुलासा हो सकता है। इसके साथ ही पुलिस ने बड़ी संख्या में मोबाइल और नोट गिनने की 3 मशीनें भी जब्त की हैं।

इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार: पुलिस ने इस मामले में कुल चार आरोपियों को पकड़ा है। मास्टरमाइंड पवन सिंह के बाद उसकी निशानदेही पर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें शक्ति सिंह जटेजा (26 वर्ष), जयेन्द्र सिंह जटेजा उर्फ नीरू भाई (21 वर्ष) और आकाश कुमार दवे (31 वर्ष) शामिल हैं। ये सभी मूल रूप से गुजरात के धरमोड़ा गांव के रहने वाले हैं।

1-2, 5-10 और 20 रुपए के नोट होते थे टोकन नंबर: आरोपियों ने बताया कि, उनके यहां से ऑनलाइन सट्टे से मिलने वाली रकम को हवाला के जरिए एक से दूसरी जगह भेजा जाता था। वे अपने मोबाइल फोन से एक से 20 रुपए तक के नोटों के नंबरों की फोटो खींचकर ग्राहकों को भेजते थे। जो भी व्यक्ति उनके दफ्तर में वह टोकन नंबर दिखाता था, उसे हवाला का पैसा थमा दिया जाता था।

आरोपी दिनेश भाई व्यास की तलाश में पुलिस: दुर्ग पुलिस ने बताया कि, हवाला का कारोबार दिनेश भाई व्यास नाम के व्यक्ति के जरिए संचालित किया जाता था। वह अहमदाबाद में रहता है। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए एक टीम को अहमदाबाद भेजा है। दिनेश की गिरफ्तारी के बाद बड़ा खुलासा होने की उम्मीद है।

169 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर के एसपी संतोष कुमार सिंह ने 169 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर किया है। जिसमें 2 सब इंस्पेक्टर, 21 एएसपी् समेत 100 से ज्यादा हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल शामिल हैं।

इनमें से ज्यादातर पुलिस कर्मचारियों के थानों में बदलाव किया गया है। इसके अलावा रक्षित केंद्र के दर्जनों पुलिसकर्मियों को थाने में नियुक्ति दी गई है।

हफ्तेभर पहले 20 इंस्पेक्टरों का हुआ था तबादला: 28 जून को रायपुर के 20 इंस्पेक्टरों का ट्रांसफर हुआ था। जिसमें कई थाना प्रभारियों के थाने में बदलाव किए गए थे। वहीं, आरंग, मौदहापारा, खम्हारडीह के थाना प्रभारियों को दूसरी जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही लूप-लाइन के 4 इंस्पेक्टरों को अलग-अलग थाना की जिम्मेदारी दी गई थी।

करंट लगने से 2 बच्चों की मौत

बाड़ी में लगे तार की चपेट में आए, खेलते समय हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के शनिचराडीह गांव में करंट की चपेट में आने 2 बच्चों की मौत हो गई। खेलने सयय यह हादसा हुआ है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना बलौदा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम करीब 4 बजे दो बच्चे घर के सामने गली में खेल रहे थे। इस दौरान गली में लगे खंभे के नीचे बाड़ी को फेंसिंग तार से घेरा गया है। खंभे का एक का तार नीचे फेंसिंग तार को टच कर रहा था। जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था।

दोनों बेहोश होकर जमीन पर गिरे: इस बीच खेलते हुए बाड़ी में लगे फेंसिंग तार को रुद्र कुमार (5) ने छुआ, वह करंट की चपेट में आ गया। रुद्र को बचाने साथ खेल रहा गुलशन कुमार (4) पहुंचा, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया। दोनों बेहोश होकर जमीन पर पड़े हुए थे।

बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप: आसपास के लोग और परिजन बच्चों को बलौदा सीएचसी अस्पताल लेकर पहुंचे। जांच के बाद डॉक्टरों को दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। परिजनों और ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

जांच के बाद दोषियों पर होगी कार्रवाई: बलौदा थाना प्रभारी अशोक वैष्णव ने कहा कि दो बच्चों की करंट लगने से मौत की सूचना मिली थी। दोनों के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं फेंसिंग तार में करंट कैसे पहुंचा, यह जांच के बाद पता चलेगा। दोषियों पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

डॉ.भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में बनने वाले 700 बिस्तर अस्पताल का स्वास्थ्य मंत्री ने किया स्थल निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने को लेकर गंभीर हैं। राज्य में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले, इसके लिए छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने अपने पहले ही बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई घोषणाएं की है। इन घोषणाओं में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर का 1200 बिस्तर अस्पताल में उन्नयन किया जाना और 776 करोड़ की लागत से डॉ.भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में बनने वाले 700 बिस्तर अस्पताल का निर्माण कार्य शामिल है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज डॉ.भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में बनने वाले 700 बिस्तर अस्पताल के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। 0 जायसवाल ने अस्पताल अधीक्षक श्री एसबीएस नेताम और स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ मेडिकल कॉलेज के पुराने हॉस्टल का निरीक्षण किया और साथ ही 700 बिस्तर अस्पताल के लिए मुख्य मार्ग से कनेक्टिविटी के लिए भी स्थल का निरीक्षण किया। जायसवाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से चर्चा में कहा कि बजट में शामिल 776 करोड़ की लागत से बनने वाले इस अस्पताल के लिए आवश्यक निर्माण संबंधी तैयारियां जल्द ही शुरू हो जाएंगी।

पीएम आवास योजना में 3.5 करोड़ की गड़बड़ी

600 हितग्राहियों का पैसा दूसरों के खातों में ट्रांसफर किया, इनमें जनपद कर्मचारी और उनके रिश्तेदार

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा जिले के मैनपाट ब्लॉक में पीएम आवास योजना में 3.5 करोड़ रुपए से ज्यादा की हेराफेरी की गई है। साल 2016 से 2023 तक स्वीकृत आवासों की राशि में यह गड़बड़ी सामने आई है। अब तक मैनपाट में 7500 पीएम आवास स्वीकृत हुए हैं। इनमें करीब 600 से ज्यादा हितग्राहियों की राशि दूसरों के खाते में ट्रांसफर कर दी गई।

इस गड़बड़ी में जनपद पंचायत के कर्मचारी शामिल हैं। जनपद कर्मचारियों के रिश्तेदारों के खाते में भी राशि ट्रांसफर हुई है। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो को इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने इसकी जांच कराने के लिए कहा।

शुरुआती जांच में मिली गड़बड़ी: सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर ने सीतापुर एसडीएम रवि राही की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय समिति बनाकर जांच शुरू करा दी है। शुरुआती जांच में करीब 20 हितग्राहियों की राशि दूसरों के खाते में ट्रांसफर करना पाया गया है। एसडीएम ने बताया कि, कितने हितग्राहियों की राशि में गड़बड़ी की गई है, यह जांच पूरी होने के बाद ही बता पाएंगे।

साल 2016 से शुरू हुई थी गड़बड़ी: पीएम आवास योजना के तहत हितग्राहियों का 1.30 लाख रुपए की स्वीकृति दी जाती है। साल 2016 में जनपद से कुछ हितग्राहियों की राशि दूसरे खातों में ट्रांसफर करना शुरू किया गया। साल 2018 में प्रदेश में कांग्रेस के की सरकार आने के बाद पीएम आवास योजना का काम ठप हो गया। पीएम आवास योजना के हितग्राहियों की राशि उनके खाते में नहीं गई तो हितग्राहियों ने यह सोच लिया कि उन्हें सरकार से राशि ही नहीं मिली है। जबकि उनकी जगह दूसरे व्यक्ति का बैंक अकाउंट नंबर डालकर पैसा ट्रांसफर कर लिया गया।

अधूरे आवास की जांच में हुआ खुलासा: प्रदेश में बीजेपी की सरकार आने के बाद अधूरे आवासों की जांच शुरू हुई, तो गड़बड़ी का खुलासा हुआ। हितग्राहियों ने बताया कि उन्हें राशि नहीं मिली है। इस कारण आवास अधूरे हैं, जबकि रिकॉर्ड के अनुसार उन्हें पूरी राशि दी जा चुकी है। कुछ हितग्राहियों ने अपना पैसा लगाकर काम कराया। यह गड़बड़ी 600 से ज्यादा हितग्राहियों के साथ हुई है। जनपद पंचायत के एक कर्मचारी के रिश्तेदारों के खाते में कई हितग्राहियों का पैसा गया है। एक कर्मचारी ने अपने रिश्तेदारों के खातों में राशि भेजकर अपने खाते में भी ऑनलाइन पैसा जमा कर लिया है। यह गड़बड़ी 3.5 करोड़ या इससे भी ज्यादा की हो सकती है।

जिनके खातों में राशि गई, उन्हें नोटिस: एसडीएम सीतापुर रवि राही ने बताया कि, सैंपल के रूप में समिति ने करीब 20 हितग्राहियों की जांच की। उनका पैसा दूसरों के खाते में ट्रांसफर होना पाया गया है। जिनके खाते में पैसा भेजा गया है, उन्हें भी नोटिस जारी किया गया है। उस समय के ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर, रोजगार सहायक और जिनके कार्यकाल में गड़बड़ी हुई उनको भी नोटिस दिया जाएगा। जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो कार्रवाई होगी।

विधायक बोले- गड़बड़ी करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे: सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा कि, इस मामले को विधानसभा में भी उठाया गया है। मामले की पूरी जांच कराई जाएगी। जिन्होंने गड़बड़ी की है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

अवैध कब्जों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

विधायक ने रुकवाई कार्रवाई, कहा- बिना जानकारी तोडफोड़ सही नहीं

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव निप्र। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में गुरुवार की सुबह नगर पालिका अमला बुलडोजर लेकर बस स्टैंड पहुंचा। दुकानदार कुछ समझ पाते इससे पहले ही दुकान के सामने बनी नालियों और दुकान तक पहुंचने बनी सीढ़ियों की तोड़फोड़ शुरू कर दी गई। दुकानदारों का कहना है कि कार्रवाई को लेकर उन्हें किसी तरह की सूचना नहीं दी गई। दुकानदारों ने इसकी सूचना विधायक लता उसेंडी को दी। विधायक मौके पर पहुंची और अधिकारियों को फटकार लगाकर कार्रवाई बंद करने के निर्देश दिए।

सबकी सहमति के बाद कार्रवाई होनी चाहिए: कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने कहा कि कार्रवाई की जानकारी लगते ही वे मौके पर पहुंची। नगर पालिका अधिकारी से इस कार्रवाई के बारे में जानकारी ली। यह कार्रवाई पूरी तरह से गलत है। पहले परिषद की बैठक की जानी थी। पार्षदों को विश्वास में लिया जाना था। दुकानदारों जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जानी थी। सबकी सहमति से इस तरह की कार्रवाई की जाती है।

पार्षदों को भी नहीं थी कार्रवाई की जानकारी: वार्ड के पार्षद मनीष श्रीवास्तव का कहना था कि कार्रवाई से पहले जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जानी चाहिए थी। परिषद की बैठक के बिना और पार्षदों को विश्वास में लिए ही इस तरह की कार्रवाई करना पूरी तरह से गलत है। आम लोगों का आक्रोश भी जायज है।

शराब की तस्करी करते 2 आरोपी गिरफ्तार

झारखंड से छत्तीसगढ़ आ रहे थे, पुलिस ने नाकेबंदी कर पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, जशपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर में पुलिस ने झारखंड से अंग्रेजी शराब की तस्करी करते 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में शराब और कार जब्त की है। मामला आरा चौकी क्षेत्र का है।

घटना के संबंध में एसडीओपी चंद्रशेखर परमा ने बताया कि सूचना मिली कि 2 युवक भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब कार में रखकर जशपुर की ओर आ रहे है। सूचना पर पुलिस की टीम ने आरा चोकी क्षेत्र के गिरमा नाला के पास नाकाबंदी की।

नाकेबंदी कर आरोपियों को पकड़ा: आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने झारखंड की ओर से जशपुर की ओर आ रही कार की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार की डिक्की में 5 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की गई। जिसकी कुल कीमत 18,000 रुपए बताई जा रही है।

आरोपियों के भेजा गया जेल: आरोपी राकेश कुमार सिन्हा (25) और दिलीप राम रौतिया (26) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।

शराब तस्करों पर लगातार कार्रवाई: पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि शराब तस्करों के खिलाफपुलिस लगातार कार्रवाई की जा रही है।

एसपी ने कहा कि अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों की सूचना देने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथी ही उनका नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को लेकर किया समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़ निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर प्रितेश राजपूत ने आज कलेक्टर सभा कक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के महिला सेक्टर सुपरवाइजर के साथ समीक्षा बैठक की। डिप्टी कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिसमे महिलाओं और बच्चों के विकास के लिए महिला बाल विकास विभाग का दायित्व जवाबदेही पूर्वक निर्वहन करना होता है। डिप्टी कलेक्टर ने जल शक्ति से नारी शक्ति अभियान के तहत सभी आंगनबाड़ी केन्द्र में पॉच पौधा वृक्षा रोपण के तहत फलदार पौधे देकर आंगनबाड़ी केन्द्रों में रोपण के लिए प्रेरित करने को कहा जिससे कि आने वाली पीढ़ियों के बच्चों को उनके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फल मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि लगाए गए पौधों को विशेष रूप से ध्यान रखते हुए बड़ा करें । साथ ही जिले के सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों को 9रू30 बजे से 3रू30 बजे तक खुला रखने के निर्देश दिए है । इस समीक्षा बैठक के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिका, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पदों पर भर्ती प्रक्रिया की परियोजना वार जानकारी ली और भर्ती प्रक्रिया समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कार्य में कुशलता के लिए उनको अच्छे से जानकारी दी जाए। बैठक में उपस्थित महिला सुपरवाइजरों से कहा कि पोषण ट्रैकर ऐप में डेटा प्रविष्टि में गलतियां न करें सही जानकारी प्रविष्ट करें एवं बच्चों के रेडी टू ईट वितरण की एंट्री करने के निर्देश दिए। डिप्टी कलेक्टर ने कहा कि सभी सभी महिला सेक्टर सुपरवाइजर अपने कार्यक्षेत्र में गर्भवती महिलाओं एवं शिशुवती माताओं एवं एनीमिक महिलाओं के स्वास्थ्य पर योजना बनाकर महीने में दो महीने में एक बार बाल संदर्भ शिविर करने के निर्देश दिए है । उन्होंने आगे कहा कि सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, मिशन वात्सल्य योजना, बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ, पोषण पुनर्वास केन्द्र, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं कन्या विवाह योजनाओं का लाभ सभी पात्र महिलाओं व हितग्राहियों को देना सुनिश्चित करें। डिप्टी कलेक्टर ने इस बैठक में विभाग द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना की समीक्षा कर प्राप्त राशि के उपयोग सुनिश्चित करने एवं योजना से लाभान्वित करने एवं इस योजना से संबंधित जानकारी गांवों में देने को कहा साथ ही सभी पात्र हितग्राहियों की आधार कार्ड, बैंक अकाउंट, मोबाइल नम्बर और फेटो अपडेट करने को कहा है । साथ ही सेक्टर सुपरवाइजर को क्षेत्र में सतत भ्रमण कर अपने कार्यों को जिम्मेदारी पूर्वक करने के लिए कहा ।

भोले बाबा के 6 सेवादार अरेस्ट, इनमें 2 महिलाएं

हाथरस (एजेंसी)। यूपी के हाथरस में हुई भगदड़ के तीसरे दिन पुलिस ने आज 6 लोगों की गिरफ्तारी की। आईजी रेंज अलीगढ़ शलभ माथुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- गिरफ्तार सभी 6 आरोपी आयोजन समिति के सदस्य हैं। इनमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं। आरोपियों में मैनपुरी का राम लड़ैते यादव, शिकोहाबाद का उपेंद्र यादव, हाथरस का मेड सिंह, मंजू यादव, मुकेश कुमार और मंजू देवी शामिल हैं। इनकी देख-रेख में ही सत्संग चल रहा था। उधर, पुलिस ने मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर पर 1 लाख का इनाम घोषित किया है। वह अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है। दूसरी ओर, भोले बाबा के वकील एपी सिंह घायलों से मिलने अलीगढ़ पहुंचे। उन्होंने कहा- बाबा के पास कोई आश्रम नहीं है। वह पेंशन से अपना गुजारा करते हैं। जब भी बाबा को जांच टीम बुलाएगी, वह आएंगे। हादसे के 48 घंटे बाद भी पुलिस नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा तक नहीं पहुंच सकी। पुलिस ने मैनपुरी, ग्वालियर, कानपुर और हाथरस समेत 8 ठिकानों पर छापा मारा है। इधर, पुलिस ने एटा, हाथरस और मैनपुरी से 30 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। सभी भोले बाबा से जुड़े हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- हादसे के लिए प्रशासन और प्रदेश सरकार जिम्मेदार है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी हाथरस आएंगे। वह अस्पताल में भर्ती और प्रभावित लोगों से बातचीत करेंगे।

आतिशी ने टीचर्स के ट्रांसफर में अफसरों पर लगाए रिश्वतखोरी के आरोप, कहा- आदेश पर तुरंत लगाएं रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव नरेश कुमार को निर्देश दिया है कि वह 5,000 शिक्षकों के तबादले का आदेश तत्काल वापस लें, जो उनकी मंजूरी के बिना जारी किया गया था। शिक्षा निदेशालय के शिक्षण कर्मचारियों के तबादले के लिए ऑनलाइन अनुरोध शीर्षक वाले परिपत्र में एक स्कूल में 10 वर्ष से अधिक समय तक सेवा दे चुके सभी शिक्षकों को अनिवार्य रूप से तबादले के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया गया था। शिक्षा निदेशालय ने 11 जून को एक आदेश में कहा था, "एक ही विद्यालय में लगातार 10 वर्ष पूरे कर चुके सभी शिक्षकों को आपसी सहमति या सामान्य रूप से अधिकतम संख्या में विद्यालयों का चयन करने के आधार पर तबादले के लिए अनिवार्य रूप से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जो शिक्षक ऑनलाइन आवेदन नहीं करेंगे, मुख्यालय स्वयं ही उनका आधिकारिक आवश्यकता के अनुसार किसी भी स्कूल में तबादला कर देगा। शिक्षा मंत्री ने एक जुलाई को आदेश दिया था कि किसी भी शिक्षक का तबादला केवल इसलिए नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने किसी विशेष स्कूल में 10 वर्ष से अधिक समय बिताया है। आतिशी ने कहा कि उन्हें पता चला है कि इस मामले में भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा, " मेरे आदेशों के विपरीत दो जुलाई को एक तबादला आदेश जारी किया गया जिसमें लगभग पांच हजार शिक्षकों का तबादला किया गया। मैंने मुख्य सचिव को इस आदेश को वापस लेने का निर्देश दिया है। मैंने उनसे यह भी कहा है कि अगर कोई भ्रष्टाचार या गड़बड़ी हुई है तो इसकी जांच कराई जाए।

पत्नी का हाथ थाम वोट डालने पहुंचे सुनक

पोलिंग बूथों के बाहर कुत्तों की भीड़, सांप भी निकला

ब्रिटेन (एजेंसी)। ब्रिटेन में आज आम चुनाव के लिए वोटिंग हो रही है। कंजर्वेटिव पार्टी से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार ऋषि सुनक और लेबर पार्टी के कैंडिडेट कीर स्टार्मर गुरुवार सुबह अपनी पत्नियों के साथ पोलिंग स्टेशन पहुंचे। सुनक और अक्षता मूर्ति ने यॉर्कशायर में वोट डाला। वहीं स्टार्मर ने पत्नी विक्टोरिया के साथ नॉर्थ लंदन के केंटिश टाउन में मतदान किया। ब्रिटेन में इस बार तय शेड्यूल से 6 महीने पहले चुनाव हो रहे हैं। 22 मई को ऋऋसुनक ने इसकी घोषणा की थी। अगले 5 साल तक ब्रिटेन का भविष्य तय करने के लिए आज 5 करोड़ वोटर्स सांसदों का चुनाव कर रहे हैं। वोटिंग रात 10 बजे (भारतीय समयानुसार रात 2:30 बजे) खत्म होगी। ब्रिटेन में बैलट पेपर के जरिए मतदान होता है। इन चुनावों में न केवल वहां के नागरिक बल्कि च में रहने वाले कॉमनवेल्थ देशों के नागरिक जैसे भारतीय, पाकिस्तानी, ऑस्ट्रेलियाई भी मतदान कर सकते हैं।

पोलिंग स्टेशन में पालतू जानवरों को ले जाने की इजाजत नहीं: मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन में वोटिंग के बीच पोलिंग बूथों के बाहर पालतू कुत्तों की भीड़ नजर आई। दरअसल, वोट करने आए लोग अपने साथ

पालतू जानवर भी लाए थे। हालांकि, इन्हें पोलिंग स्टेशन के अंदर ले जाने की इजाजत नहीं थी। लिहाजा मतदाताओं ने इन कुत्तों को पोलिंग स्टेशन्स के बाहर बांध दिया।

सुबह चुनाव, रात में गिनती और अगले दिन नतीजे: वोटिंग खत्म होने के ठीक बाद अलग-अलग मीडिया हाउस एग्जिट पोल देना शुरू कर देंगे। देश में रातभर पोलिंग स्टेशन्स पर वोटों की गिनती होगी। इसके बाद 5 जुलाई के तड़के यह साफ हो जाएगा कि चुनाव में कौन-सी पार्टी ने जीत दर्ज की। 14 साल से ब्रिटेन पर राज कर रही सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी इस बार के चुनाव में हारती नजर आ रही है। इलेक्शन से पहले हुए अलग-अलग सर्वे में विपक्ष की लेबर पार्टी को बहुमत मिलता दिखाया गया है। 2019 में 67.3 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। तब सुनक की कंजरवेटिव पार्टी को 365, कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी को 202 और लिबरल डेमोक्रेट्स को 11 सीटें मिलीं थी। इस बार लगभग सभी सर्वे में कंजरवेटिव पार्टी की करारी हार की आशंका जताई है। यूगोव के सर्वे के मुताबिक लेबर पार्टी को 425, कंजरवेटिव को 108, लिबरल डेमोक्रेट को 67, स्क्रक को 20 सीटें मिल सकती हैं।

सुनक के राज में अमीर-गरीब के बीच फासला बढ़ा: ब्रिटेन की राजनीति में अब तक के सबसे युवा और भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की लोकप्रियता कम होने की सबसे बड़ी वजह वहां की अर्थव्यवस्था रही है। दरअसल, अपने डेढ़ साल के कार्यकाल में सुनक इकोनॉमी को पटरी पर लाने में नाकाम रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में अमीरों और गरीबों के बीच का फासला लगातार बढ़ता जा रहा है। इसकी वजह से लोगों के जीवन जीने के स्तर में गिरावट आई है। 6.70 करोड़ की आबादी वाले ब्रिटेन में प्रति व्यक्ति आय 38.5 लाख रुपए है। यहां महंगाई दर 2त्र है तो वहीं खाद्य महंगाई दर 1.7त्र है। ब्रिटेन के 70 साल के इतिहास में टैक्स दरें सबसे ज्यादा हैं। सरकार के पास जनता पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। इसकी वजह से पब्लिक सर्विस सिस्टम ठप होता जा रहा है।

बीसीसीआई अध्यक्ष और सचिव ने दिया पीएम मोदी को गिफ्ट की स्पेशल जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल डेस्क-पीएम नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्वकप की विजेता टीम इंडिया से मुलाकात की। पीएम मोदी विजेता टीम के साथ काफी देर तक बातचीत की। इस दौरान उनके साथ बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव जयशाह भी मौजूद रहे। दोनों ने पीएम मोदी को एक खास जर्सी दी, इस पर नमो लिखा था। साथ ही इस पर नंबर 1 लिखा हुआ था। जर्सी मिलने के बाद वे काफी खुश नज़र आ रहे थे। बताते चलें की टीम इंडिया 16 घंटे के सफर कर बारबाडोस से भारत पहुंचे। दिल्ली पहुंचने के बाद 11 बजे टीम अपने हेड कोच के साथ पीएम आवास स्थान पहुंचे।

जयराम रमेश बोले- नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री पहले मणिपुर जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्पेस जाने की अटकलों के बीच कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने तंज कसा है। उन्होंने गुरुवार (4 जुलाई) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को स्पेस में जाने से पहले मणिपुर जाना चाहिए। जयराम रमेश ने कहा, 1 अगस्त 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर में संवैधानिक तंत्र खत्म हो गया है।

कल (3 जुलाई) कोर्ट ने फिर कहा कि वह राज्य सरकार पर भरोसा नहीं कर सकती। फिर भी नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री बातों के अलावा कुछ नहीं कर रहे हैं। इससे पहले जयराम रमेश ने

बुधवार (3 जुलाई) को कहा था कि मणिपुर 3 मई 2023 से जल रहा है। विभिन्न समुदायों के बीच हिंसा हुई है। सैकड़ों लोग मारे गए, हजारों लोग विस्थापित हुए। सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया कि राज्य में संवैधानिक मशीनरी खत्म हो गई है, लेकिन पीएम चुप हैं। आज तक मोदी मणिपुर नहीं गए।

राहुल दिल्ली में मजदूरों से मिले, समस्याएं सुनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने गुरुवार 4 जुलाई को दिल्ली के गुरु तेगबहादुर नगर में मजदूरों से मुलाकात की। कांग्रेस ने इसका वीडियो और 4 फोटो अपने एक्स हैंडल पर शेयर किए। साथ ही कांग्रेस ने लिखा कि ये मेहनती मजदूर हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके जीवन को सरल और भविष्य को सुरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। पिछले साल राहुल ट्रक में बैठकर अंबाला से चंडीगढ़ गए थे।

वहीं, कांग्रेस सांसद दिल्ली के एक गैरेज भी पहुंचे थे और मैकेनिक्स के काम भी किया था। राहुल गांधी ने 22 मई 2023 की रात अंबाला से चंडीगढ़ का 50 किमी का सफर ट्रक से तय किया। दरअसल, वे दोपहर को दिल्ली से शिमला के लिए कार से निकले थे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बताया कि राहुल ने इस दौरान ट्रक ड्राइवरों से बात की और उनकी समस्याएं भी सुनीं। राहुल ने 23 मई की सुबह 5:30 बजे ट्रक को अंबाला सिटी के श्री मंजी साहब गुरुद्वारे पर रुकवाया। फिर गुरुद्वारे में माथा टेका। इसके बाद उन्होंने कुछ कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से भी बात की। उन्होंने गुरुद्वारे में लंगर का प्रसाद भी ग्रहण किया। राहुल गांधी ने 27 जून

2023 को दिल्ली के करोल बाग के एक गैरेज में पहुंचकर वहां के मैकेनिक्स के साथ काम किया। राहुल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 6 फोटो पोस्ट करके इसकी जानकारी दी थी। एक फोटो में राहुल के हाथ में टू व्हीलर का कोई पार्ट दिखाई दे रहा है। उनके सामने एक बाइक खुली हुई है। साथ में कुछ लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। वहीं एक अन्य फोटो में राहुल एक बाइक में स्क्रू ड्राइवर से पेंच कसते दिखाई दे रहे हैं। वहीं एक फोटो में वे गैरेज कर्मी से मशीन की जानकारी ले रहे हैं।

आडवाणी की तबीयत फिर बिगड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व उप प्रधानमंत्री और भाजपा के सीनियर नेता लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत फिर बिगड़ गई है। 96 साल के आडवाणी को बुधवार रात 9 बजे दिल्ली के अपोलो अस्पताल लाया गया। अस्पताल से जारी बुलेटिन के अनुसार, उनकी हालत स्थिर है। वे न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी के ऑब्जर्वेशन में हैं। इससे 7 दिन पहले, 26 जून को भी आडवाणी को दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस दौरान उन्हें यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के डॉक्टर अमलेश सेठ की निगरानी में रखा गया था। अस्पताल ने बताया था कि आडवाणी का एक छोटा ऑपरेशन हुआ है।

हेमंत सोरेन झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री बने

रांची (एजेंसी)। हेमंत सोरेन झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री बने। जेल से निकलने के छठे दिन ही उन्होंने राज्य की कमान एक बार फिर से अपने हाथ में ले ली है। 24 साल के झारखंड में वे 13वें सीएम बन गए। इसके साथ ही तीसरी बार राज्य के सीएम पद की शपथ लेने वाले वे तीसरे सीएम बन गए हैं।

उनसे पहले उनके पिता शिबू सोरेन और बीजेपी नेता अर्जुन मुंडा तीन बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं। हेमंत सोरेन के इस शपथ को इसलिए भी खास माना जा रहा है कि 31 जनवरी को जिस राजभवन से उनकी गिरफ्तारी हुई थी, 156 दिन बाद दोबारा फिर से उन्होंने वहीं शपथ ली। हेमंत सोरेन इसे अपनी जीत और बीजेपी के षड्यंत्र की हार

बता रहे हैं। शपथ ग्रहण के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि वर्तमान महागठबंधन की सरकार ने 2019 से जनता की भावनाओं के अनुरूप सारी कार्य योजनाएं की। राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच चंपाई सोरेन ने उसे आगे बढ़ाया क्योंकि मैं जेल में था। आज कोर्ट के आदेश से मैं बाहर आ पाया हूं। पुनः अपने कार्यभार को संभालते हुए अब आगे के काम किए जाएंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा, जनता, पार्टी कार्यकर्ता सबकी शुभकामनाएं हैं और हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए हेमंत सोरेन फिर से झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में और तेजी से कार्य करेंगे... गांडेय मेरी प्राथमिकता है और रहेगी। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा, हेमंत सोरेन को नई सरकार के गठन के लिए मैं बधाई देता हूं। हमें पूरी उम्मीद है कि वे सभी कार्यों को पूरा करेंगे। झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा, यदि आप संविधान के अनुसार चलें, तो संविधान हम सभी से गरीबों की समस्या का समाधान करने की अपेक्षा करता है, यही अपेक्षा मेरी नई सरकार से भी है।

युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना होगा-सीडीएस चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि तकनीकी प्रगति के कारण युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और देश की सशस्त्र सेनाओं को इस बदलाव को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना होगा।

उन्होंने 1999 में करगिल युद्ध के दौरान तोलोलिंग और टाइगर हिल की लड़ाई के 25 साल पूरे होने के मौके पर सेना के अधिकारियों, जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) और '18 ग्रेनेडियर्स के सैनिकों की एक सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। भारतीय सेना ने 4 जुलाई 1999 को टाइगर हिल चोटी फतह की थी। करगिल

युद्ध में 18 ग्रेनेडियर्स बटालियन ने अहम भूमिका निभायी थी। करगिल युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए हर साल 26 जुलाई को 'विजय दिवस मनाया जाता है।

नीट-यूजी में सफल 50 से अधिक परीक्षार्थियों की न्यायालय में याचिका, परीक्षा रद्द नहीं करने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी में सफल हुए गुजरात के 50 से अधिक परीक्षार्थियों ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर केंद्र व एनटीए को 5 मई को हुई परीक्षा रद्द नहीं करने का निर्देश देने का अनुरोध किया। उन्होंने शीर्ष अदालत से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक और नकल जैसी अनुचित गतिविधियों में शामिल छात्रों तथा अन्य लोगों की जांच व पहचान करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश देने की भी मांग की है। गुजरात के 56 छात्रों ने यह याचिका ऐसे समय में दायर की है, जब कुछ ही दिन पहले मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ 26 याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली है। इन याचिकाओं में दोबारा परीक्षा कराने और पहले हुई

परीक्षा की जांच की मांग की है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी का आयोजन करती है।

बिहार में पुल गिरने का सिलसिला जारी, सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका

नई दिल्ली/पटना (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दाखिल कर बिहार सरकार को पुलों का संरचनात्मक ऑडिट कराने तथा एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है ताकि उन पुलों की पहचान की जा सके जिन्हें या तो मजबूत किया जा सकता है या जिन्हें गिराया जाना चाहिए। बिहार के सीवान, सारण, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिलों में पिछले एक पखवाड़े में पुल ढहने की दस घटनाएं सामने आई हैं। लोगों का दावा है कि भारी बारिश की वजह से ये हादसे हुए हैं। अधिवक्ता ब्रजेश सिंह की ओर से दाखिल जनहित याचिका में राज्य के पुलों की सुरक्षा तथा मजबूती को लेकर चिंता व्यक्त की गई है। याचिका में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के अलावा केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के मापदंडों के अनुसार पुलों की निगरानी कराने का भी अनुरोध किया गया है। जनहित याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा कि बिहार भारत में सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित राज्य है। राज्य में बाढ़ से प्रभावित होने वाला कुल क्षेत्रफल 68,800 वर्ग किलोमीटर है

राजस्थान में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का मंत्री पद से इस्तीफा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कृषि मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। आज एक धार्मिक कार्यक्रम में एक प्राइवेट चैनल से बातचीत के दौरान उन्होंने इसकी जानकारी दी। मीणा ने कहा वे दो दिन से दिल्ली में थे। उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री ने बातचीत के लिए बुलाया था, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो सकी।

मीणा ने कहा कि उनकी संगठन या मुख्यमंत्री से कोई नाराजगी नहीं है। मैंने इस्तीफा देने का कहा था, इसलिए मुकर नहीं सकता। कार्यक्रम में मीणा ने आज की राजनीति पर भी

कटाक्ष किया। उन्होंने कहा आज की राजनीति भगवान राम के जैसी है ये संभव नहीं है, लेकिन राजनीति को इस ओर मोड़ना होगा। दरअसल, किरोड़ीलाल मीणा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि उन्हें जिन सीटों की जिम्मेदारी मिली है अगर वो हारते हैं तो इस्तीफा दे देंगे। नतीजों के बाद से मीणा पर इस्तीफा देने का दबाव था। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी कहा था कि मीणा पीछे नहीं हटेंगे, इस्तीफा जरूर देंगे। किरोड़ी ने कहा जैसा कि आप लोग जानते हो कि अथक परिश्रम के बाद भी मैं अपने प्रभाव वाले क्षेत्र में पार्टी को जीता नहीं सका। मैंने चुनाव के दौरान घोषणा कर दी थी। उस घोषणा को मैंने पूरा किया है। दिन-रात मैंने जनता के लिए संघर्ष किया। ना दिन देखी, ना रात, लेकिन जनता ने मेरी नहीं मानी। मुझे निराश किया, इसलिए मैंने अंतरात्मा की आवाज से पद छोड़ दिया।

सांसदों की शपथ के नियम में बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार (3 जुलाई) को लोकसभा में सांसदों के शपथ के नियमों में बदलाव किया है। नए नियम के मुताबिक, अब सांसदों की शपथ के बाद अब कोई भी नारा लगाने की अनुमति नहीं होगी। ओम बिरला ने अध्यक्ष के निर्देशों में निर्देश-1 में एक नया क्लॉज जोड़ा है। इसके मुताबिक, अब सदस्य सिर्फ शपथ लेंगे और शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करेंगे।

इस दौरान वे किसी भी अन्य शब्द या किसी मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। दरअसल, 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान सांसद ओवैसी ने जय फिलिस्तीन का नारा लगाया था। इस पर बाकी सांसदों ने आपत्ति जताई थी। ओवैसी के अलावा

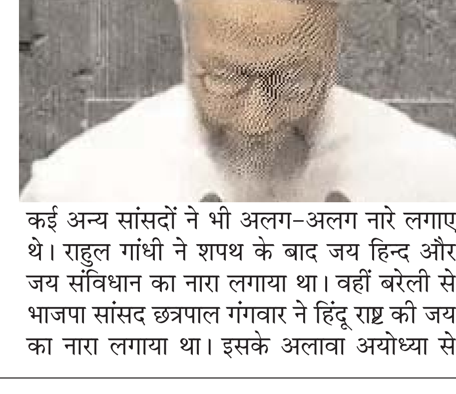

कई अन्य सांसदों ने भी अलग-अलग नारे लगाए थे। राहुल गांधी ने शपथ के बाद जय हिन्द और जय संविधान का नारा लगाया था। वहीं बरेली से भाजपा सांसद छत्रपाल गंगवार ने हिंदू राष्ट्र की जय का नारा लगाया था। इसके अलावा अयोध्या से सपा सांसद अवधेश राय ने शपथ ली तो जय अयोध्या, जय अवधेश के नारे लगा लगाए। हेमा मालिनी ने शपथ की शुरुआत राधे-राधे से की थी। इन नारों को लेकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया था कि सांसद शपथ ग्रहण के जरिए अपना-अपना राजनीतिक संदेश भेज रहे हैं। ओवैसी ने शपथ के बाद जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन, तकबीर अल्लाह-हु-अकबर कहा। फिर प्रोटेम स्पीकर से हाथ मिलाने पहुंच गए। एनडीए सांसदों ने नियमों के खिलाफ बताया और हंगामा किया। इस पर सभापति ने ओवैसी के नारे को रिकॉर्ड से हटा दिया था। उस समय सभापति राधा मोहन सिंह ने सदस्यों को आश्वासन दिया था कि शपथ के अलावा कोई भी बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी।

जीतने के बाद विराट कोहली के भाई पर परिवार ने किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली के भाई और परिवार के अन्य सदस्यों ने गुरुवार सुबह दिल्ली में उनका स्वागत किया, क्योंकि टीम इंडिया टी-20 विश्व कप जीतने के बाद बारबाडोस से नई दिल्ली पहुंची, जहां तूफान बेरिल के कारण कई दिनों तक देरी हुई थी। विकास कोहली ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर विराट कोहली के साथ अपनी, अपने बेटे, भतीजी और भतीजे की तस्वीरों के साथ लिखा, बहुत गर्व है भाई। विकास कोहली और उनके बेटे ने भी विराट कोहली का टी20 विश्व कप पदक पहनकर खुशी साझा की। कोहली की बहन भावना कोहली ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर तस्वीरें साझा कीं। दिल्ली में जन्मे और पले-बढ़े विराट कोहली को प्रशंसकों की ओर से सबसे जोरदार जयकार मिली, जब क्रिकेटर बारबाडोस से घर लौटे ।गुरुवार को विशेष रूप से व्यवस्थित एयर इंडिया के चार्टर विमान से राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने पर भारतीय टीम का दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया। लगातार हो रही बूंदाबांदी और भारी सुरक्षा तैनाती के बावजूद खिलाड़ियों का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे के बाहर प्रशंसकों की कतारें लगी हुई थी।

प्रधानमंत्री मोदी से टीम इंडिया की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम गुरुवार को चार्टर फ्लाइट से बारबाडोस से नई दिल्ली पहुंची। जहां एयरपोर्ट पर भारतीय टीम का जोरदार स्वागत हुआ। इसके बाद टीम आईटीसी मौर्या होटल पहुंची, इसके बाद टीम के सभी सदस्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनके आवास 7, लोक कल्याण मार्क पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी के साथ टीम इंडिया के सदस्यों ने ब्रेकफास्ट किया और करीब 1 घंटा 40 मिनट का समय बिताया। पीएम से मुलाकात के बाद टीम इंडिया मुंबई के लिए रवाना हो गई। मुंबई में शाम 5 बजे नरीमन पॉइंटस स्थित नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स से वानखेड़े स्टेडियम तक खुली बस में खिलाड़ियों की विक्ट्री परेड होगी। इसके अलावा विक्ट्री परेड के बाद शाम 7 बजे वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम को सम्मानित किया जाएगा। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लिए 25 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि का ऐलान किया है। इस समारोह का लाइव टेलीकास्ट आप स्टार स्पोर्ट्स और लाइव स्ट्रीमिंग हॉटस्टार पर देख सकते हैं। वहीं बता दें कि, 29 जून को साउथ अफ्रीका को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतने वाली भआरतीय टीम बेरिल तूफान के कारण बारबाडोस में फंसी हुई थी। जिसके बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम को वापस लाने वाले विमान को एयर इंडिया की चार्टर फ्लाइट को एयर इंडिया चैंपियंस 24 वर्ल्ड कप नाम दिया गया है। इस विमान में भारतीय टीम, सहयोगी स्टाफ के आलावा खिलाड़ियों का परिवार भी सवार था। जबकि कुछ पत्रकार भी शामिल थे।

भारतीय टीम के लिए बना जर्सी के रंग का केक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप की विजेता टीम भारत लौट आई है। दिल्ली एयरपोर्ट पर भारतीय क्रिकेट टीम का जोरदार स्वागत किया गया है। भारतीय टीम के दिल्ली एयरपोर्ट पर फैंस ने गाजे बाजे और जोरदार तरीके से इंडिया इंडिया के नारे लगाकर भारतीय टीम का स्वागत किया।

इसी बीच एयरपोर्ट से निकलते हुए कप्तान रोहित शर्मा ने भी ट्रॉफी की झलक फैंस के साथ साझा की है। वहीं भारतीय टीम दिल्ली एयरपोर्ट से आईटीसी मौर्य होटल पहुंची है। यहां भी भारतीय टीम के स्वागत के लिए खास तैयारी की गई है। होटल में भारतीय टीम के लिए खास केक तैयार हुआ है जो उनकी टी20 जीत को समर्पित है। ये केक भारतीय टीम की जर्सी के रंग का बनाया गया है। इस केक की खासियत है कि ये भारतीय टीम को ध्याम में रखकर तैयार हुआ है। ये केक काफी खास है क्योंकि इसके ऊपर टी20 वर्ल्ड कप जैसी ही बनी ट्रॉफी बनाई गई है। इस ट्रॉफी को केक पर लगाने के लिए चॉकलेट से तैयार किया गया है। इस केक पर खिलाड़ियों की तस्वीरें भी है। बीसीसीआई का लोगो भी इस पर बनाया गया है। केक पर बिग विनर्स कॉन्ग्रैचुलेशंस भी लिखा गया है।

किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है धोनी और साक्षी की लव स्टोरी, शादी को हुए 15 साल पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी और उनकी पत्नी साक्षी आज शादी की 14वीं एनिवर्सिरी मना रहे हैं। 2010 में ये कपल शादी के बंधन में बंधा था। दोनों की उम्र में 7 साल का अंतर भी है। 2019 वर्ल्ड कप में भारत के लिए खेलने वाले धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उसके बाद से धोनी सिर्फ आईपीएल में ही खेलते हुए दिखते हैं। एमएस धोनी और साक्षी धोनी की कहानी रांची में उनके बचपन से शुरू होती है। दोनों के पिता एक साथ काम करते थे। उनके परिवारों के बीच संबंध ते और वे एक ही स्कूल में पढ़ते थे। हालांकि, कुछ समय बाद साक्षी परिवार के साथ देहरादून शिफ्ट हो गईं। किस्मत का खेल ही था जो एमएस धोनी और साक्षी कई सालों के अंतराल के बाद कोलकात में फिर से मिले। 2007 में ताज बंगाल में टीम इंडिया रुकी। साक्षी यहीं इर्टनशिप कर रही थीं, इसी दौरान धोनी से उनकी हुई और यहीं से उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत हुई। एमएस धोनी ने अपने रिलेशनशिप का काफी प्राइवेट रखा। शादी के समय तक किसी को इसकी जानकारी नहीं थी। फिर 4 जुलाई 2010 को आईपीएल खिताब जीतने के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने देहरादून में साक्षी रावत से शादी की। महेंद्र सिंह धोनी और साक्षी के घर 2015 में बेटी आई। इसका नाम दोनों ने जीवा रखा। जब जीवा का जन्म हुआ था उस दौरान ऑस्ट्रेलिया में थे। वर्ल्ड कप होने की वजह से धोनी अपनी बेटी के जन्म के समय भारत नहीं आ पाए थे। साक्षी धोनी ने शादी के 14 साल पूरे होने पर पुरानी फोटो शेयर की है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- अपना 15वां साल शुरू करते हुए।

टी20 विश्व कप टीम के मुंबई के खिलाड़ियों को विधान भवन में सम्मानित किया जाएगा

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम के मुंबई के चार खिलाड़ियों को शुक्रवार को महाराष्ट्र विधान भवन परिसर में सम्मानित किया जाएगा। राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को सदन में यह जानकारी दी। कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे। ये सभी मुंबई के रहने वाले हैं। भारतीय क्रिकेट टीम ने 29 जून को देश को दूसरा टी20 विश्व खिताब दिलाया जिससे आईसीसी ट्रॉफी का 11 साल का इंतजार खत्म हुआ। भारत ने पिछला आईसीसी खिताब 2013 में जीता था जब उसने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने गुरुवार को विधानसभा में मुंबई के खिलाड़ियों को विधान भवन में सम्मानित किए जाने का मुद्दा उठाया। विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि शहर के खिलाड़ियों का सम्मान शुक्रवार दोपहर विधान भवन में होगा। टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम गुरुवार सुबह बारबाडोस से नई दिल्ली लौटी जहां उसका भव्य स्वागत किया गया।

टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का नेतृत्व करने में रणनीतिक रूप से शानदार रहे-स्मित

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने बुधवार को कहा कि ऐडन मार्कराम टी20 विश्व कप के फाइनल में पहली बार पहुंची टीम का नेतृत्व करने में रणनीतिक रूप से माहिर थे। दक्षिण अफ्रीका की टीम हालांकि बारबाडोस में हुए फाइनल में भारत से सात रन से हार गयी थी। लेकिन मार्कराम की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका का अभियान शानदार रहा जिसमें टीम को एकमात्र हार सिर्फ फाइनल में मिली। स्मिथ ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''ऐडन ने टूर्नामेंट के दौरान काफी अच्छा प्रदर्शन किया। वह रणनीतिक रूप से चतुर रहा, उसकी योजना अच्छी रहीं और वह बड़े फैसले लेने में हिचका नहीं और उसने सभी खिलाड़ियों को ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध भी किया। '' उन्होंने कहा, ''हमने निश्चित रूप से पहले भी एसए20 (दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग) के दो सत्र में उनकी इस तरह की कप्तानी देखी जिसमें उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप की अगुआई करते हुए लगातार चैम्पियनशिप में जीत दिलायी लेकिन अब उन्होंने इस अनुभव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साबित किया। '' स्मिथ ने कहा कि सीएस20 ने अभी तक अपने दो सत्र में दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटरों को उच्च स्तर के दबाव और चुनौतियों के लिए तैयार करने में सफल रही है।

घर बैठे टीम इंडिया की विक्ट्री परेड का उठाना चाहते हैं लुत्फ

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम करके टीम इंडिया स्वदेश लौट आई है। जिसके बाद नई दिल्ली एयरपोर्ट पर रोहित शर्मा और भारतीय टीम का जोरदार स्वागत हुआ। वहीं टीम इंडिया ने पीएम मोदी से भी उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और साथ में ब्रेकफास्ट भी किया। इसके बाद टीम मुंबई के लिए रवाना हो गई। मुंबई में शाम को नरीमन पॉइंट स्थिति नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स से वानखेड़े स्टेडियम तक एक खुली छत वाली बस में सवार होकर विक्ट्री परेड में हिस्सा लेगी। बीते बुधवार बारबाडोस से चलने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने अपने फैंस को विक्ट्री परेड में शामिल होने का आग्रह किया था। पिछली बार इस तरह की परेड 2007 में हुई थी। जब एमएस धोनी की कप्तान में टीम इंडिया पहली बार टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनी थी। वहीं अगर आप भी इस विक्ट्री परेड का लुत्फ उठाना चाहते हैं और मुंबई नहीं जा सकते हैं तो आप यहां दी गई जानकारी से विक्ट्री परेड की लाइव स्ट्रीमिंग देख सकते हैं। भारत की टी20 वर्ल्ड कप विक्ट्री परेड का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा। वे स्टार स्पोर्ट्स चैनल और स्टार स्पोर्ट्स यूट्यूब पर क्रमशः सुबह 9 बजे, दोपहर 12 बजे और फिर शाम 5 बजे से विशेष फॉलो द ब्लूज एडिशन का प्रसारण और लाइव स्ट्रीमिंग करेंगे।

रोहित शर्मा ने स्वदेश पहुंचकर मनाया अगल अंदाज में जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 ट्रॉफी के साथ आखिरकार टीम इंडिया भारत पहुंच गई है। फैंस ने टीम इंडिया का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। गुरुवार सुबह तड़के टीम इंडिया दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंची जिसके बाद टीम बस में बैठकर आईटीसी मौर्या होटल के लिए रवाना हुई। रास्ते भर में फैंस का हुजूम उमड़ा हुआ था। रोहित शर्मा ने बस की विंडो से फैंस को ट्रॉफी का दीदार कराया और इस दौरान उन्होंने जीभ भी निकाली। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के ग्रांड वेलकम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। रोहित शर्मा ने बीसीसीआई सेक्रटरी जय शाह और बीसीसीआई चीफ रॉजर बिन्नी के साथ मिलकर एय्रपोर्ट पर ही केक भी काटा। इसके बाद जब रोहित होटल पहुंचे, तो बाहर ढोल बज रहे थे। इस दौरान रोहित भी मस्ती में दिखे और ढोल की तान पर मस्त होकर डांस भी किया। रोहित के डांस मूव्य काफी फनी थे। ढोल बजाते हुए किसी ने कहा कि जीते वर्ल्ड कप, नाचेंगे रोहित शर्मा... और फिर क्या था रोहित ने बिना समय गंवाने नाचना शुरू कर दिया। लोगों को ये वीडियो काफी पसंद आ रहे हैं।

सात्विक-चिराग का बयान, कहा- 'सर्विस वैरिएशन' की चुनौती से पार पाने के बाद ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी 'सर्विस वैरिएशन' चुनौती से पार पाने के बाद आगामी पेरिस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से 'शारीरिक और मानसिक अनुकूलन' पर फोकस बनाये हुए हैं। सात्विक (23 वर्ष) और चिराग (26 वर्ष) की जोड़ी को अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस में बहुत सारी विविधता जैसे 'टंबल', 'स्पिन' और 'वाइड' से परेशानी होती रही है जिसमें विशेष रूप से कोरियाई और इंडोनेशियाई जोड़ियां शामिल हैं जिन्होंने हाल के टूर्नामेंट में इनका इस्तेमाल किया। चिराग ने कहा कि उन्होंने इस नयी चुनौती से पार पा लिया है और पेरिस ओलंपिक के दौरान इससे निपटने के लिए आत्मविश्वास से भरे हैं। चिराग ने पीटीआई को दिये 'ईमेल' साक्षात्कार में कहा, ''जहां तक सर्विस वैरिएशन का संबंध है तो यह नयी चुनौती है लेकिन इसे पूरी तरह से महत्वपूर्ण मानना भी सही नहीं होगा।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा भी समय था जब हम इसका सामना करने से जूझते रहे थे लेकिन हमने आखिरकार इससे पार पा लिया है। हम जानते हैं कि इससे कैसे निपटना है, हम इसका अभ्यास कर रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि हम ओलंपिक में इसका सामना करने में मजबूत साबित होंगे।''

दुनिया की मौजूदा तीसरे नंबर की जोड़ी पिछले ओलंपिक में अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीतने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में पहुंचने से चूक गयी थी। सात्विक ने कहा, ''तोक्यो ओलंपिक में खेलने का अनुभव पेरिस ओलंपिक की हमारी तैयारियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

इस तरह के ऊंचे स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने से हमें महत्वपूर्ण सीख मिली कि दबाव से कैसे निपटा जाये, फोकस कैसे रखा जाये और खेलने की विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल किस तरह हुआ जाये।

गुकेश ने करुआना को बराबरी पर रोका, प्रज्ञानानंदा ने नेपोमनियाची के साथ अंक बांटे

बुकारेस्ट। विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में शीर्ष पर चल रहे अमेरिका के फाबियानो करुआना को बराबरी पर रोका। एक बार फिर दिन की सभी बाजियां ड्रॉ रही। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने रूस के इयान नेपोमनियाची के साथ अंक बांटे। अंतिम स्थान पर चल रहे रोमानिया के डिएक बोगडेन-डेनियल ने फिरोजा के साथ ड्रॉ खेला जबकि गिरी ने वाचियेर-लाग्रेव के साथ बाजी ड्रॉ की। शीर्ष वरीय करुआना दो जीत और पांच ड्रॉ से 4.5 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं ।उनके बाद गुकेश, प्रज्ञानानंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा हैं जो अमेरिकी से आधा अंक पीछे हैं। नेपोमनियाची 3.5 अंक के साथ फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। अमेरिका के वेस्ली सो, नीदरलैंड के अनीश गिरी और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव की तिकड़ी उनसे आधा अंक पीछे है।

सांसे रोक देने वाला क्रिकेट मैच, 1 गेंद, 1 विकेट और 1 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के काउंटी क्रिकेट में ग्लेमोर्गन और ग्लूसेस्टरशायर के बीच बुधवार को एक ऐतिहासिक मैच खेला गया। इस मैच में का नतीजा बेहद ही रोमांचक तरीके से निकला। दरअसल, इस मैच में आखिरी गेंद पर ग्लेमोर्गन ने ग्लूसेस्टरशायर के विकेटकीपर जेम्स ब्रेसी का एक हैरतअंगेज कैच लपका और मैच टाई हो गया। लेकिन ये मैच सांसे रोक देने वाला मैच रहा। इसी कैच की वजह से ग्लैमर्गन इतिहास रचने से चूक गई। अगर ग्लैमर्गन टीम ये 593 रन का टारगेट चेज कर लेती तो ये काउंटी चैंपियंशिप के इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज हो जाता, लेकिन ऐसा करने में टीम नाकामयाब रही और मैच आखिर में टाई हो गया। काउंटी चैंपियनशिप के इस मैच में ग्लैमर्गन को जीत हासिल करने के लिए चौथी पारी में 593 रन का टारगेट मिला था। लेकिन ग्रैमर्गन की टीम इस लक्ष्य को हासिल करने में महज 1 रन से पीछे रह गई। ग्लैमर्गन की टीम ये रन चेज कर लेती तो वह इतिहास रच देती, लेकिन ग्लैनमर्गन को इतिहास रचने से रोकने के लिए ग्लॉस्टरशर के विकेटकीपर जेम्स ब्रेसी का अहम हाथ रहा।

उन्होंने आखिरी गेंद पर एक कैच लपका। दरअसल, ग्लैमरगन को ये मैच जीतने के लिए आखिरी ओवर में 2 रन की दरकार थी और ग्लॉस्टरशर की तरफ से ये ओवर डालने अजीत सिंह डेल आए थे। इस ओवर में अजीत सिंह ने किफायती गेंदबाजी की और शुरू की पांच गेंदों पर ग्लैमर्गन की टीम के बल्लेबाज एक ही रन बना सकी। ऐसे में मैच की आखिरी गेंद पर ग्लैमर्गन के पास एक ही विकेट बचा था और टीम को जीत के लिए भी एक रन की ही जरूरत थी। ऐसे में सांस रोक देने वाले मैच में अजीत सिंह डेल ने आखिरी गेंद पर बल्लेबाज जैमी मैक्लरॉय को विकेटकीपर जेम्स ब्रेसी के हाथों कैच आउट कराया। इस दौरान विकेटकीपर जेम्स ब्रेसी ने अपने हाथों में गलव्स भी नहीं पहने थे और इसके बावजूद उन्होंने हवा में छलांग लगाते हुए एक हाथ से गेंद को लपक लिया और इस तह ग्लैमर्गन की टीम इतिहास रचने से चूक गई।

आकांक्षी विकासखण्डों में चलेगा 30 सितम्बर तक सम्पूर्णता अभियान

मझगवां विकासखण्ड में हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भारत सरकार नीति आयोग द्वारा 4 जुलाई से 30 सितम्बर तक आकांक्षी विकासखण्डों में विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान संचालित किया जा रहा है। सतना जिले के दो विकासखंड मझगवां और रामपुर बघेलान का चयन देश के 500 आकांक्षी विकासखण्डों में किया गया है। गुरूवार को आकांक्षी विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम का सम्पूर्णता अभियान का शुभारंभ मझगवां जनपद पंचायत के सभागार में किया गया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह, जनपद अध्यक्ष रेणुका जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत एवं कार्यक्रम की नोडल अधिकारी संजना जैन, नीति आयोग की सलाहकार सुश्री प्राची शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह, जिला योजना अधिकारी राजेश कछवाह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल, बीएमओ डॉ विनीत गुप्ता, जिला प्रबंधक आजीविका अंजुला झा, सीईओ जनपद सुलभ पुषाम, सहायक संचालक कृषि श्री राम बागरी सहित क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं मैदानी कर्मचारी, सरपंच गण भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में नीति आयोग की सलाहकार प्राची शर्मा ने पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया कि देश में 500 विकासखण्डों को आकांक्षी ब्लाक के रूप में चुना गया है। आकांक्षी ब्लाक में 40 इंडिकेटर की पूर्ति के प्रयास किये जाते हैं। आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम के तहत जुलाई से सितम्बर 2024 तक 3 माह की अवधि में सम्पूर्णता अभियान के अंतर्गत मुख्य रूप से 6 इंडिकेटर पर कार्य कर सम्पूर्णता लाने का प्रयास किया जायेगा। क्षेत्र के इन 6 महत्वपूर्ण सूचकांकों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं का आंकलन कर ग्राउण्ड लेबल पर सभी विभागों के सहयोग से पूर्णता लाने का प्रयास किया जायेगा।

सीईओ जिला पंचायत संजना जैन ने कहा कि सतना जिले के दो विकासखण्डों का आकांक्षी ब्लाक के रूप में चयन होना सुखद है। उन्होंने विभाग प्रमुख अधिकारियों से कहा कि आकांक्षी ब्लाक में अपनी विभागीय योजनाओं कार्यक्रमों का दक्षता पूर्वक क्रियान्वयन करें ताकि अभियान के दौरान 6 संकेतकों की पूर्ति में आसानी रहे। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सौरभ सिंह ने बताया कि मझगवां के आदिवासी बाहुल्य 25 गांवों को सुपोषण एवं विकास के लिए प्रोजेक्ट बचपन के तहत गोद लिया गया है। जिसमें विभागों के साथ ही एनजीओ और पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से बच्चों में कुपोषण समाप्त करने की दिशा में काम चल रहा है।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल ने आकांक्षी ब्लाक में चल रहे एएनसी जॉच और गर्भवती माताओं का पंजीयन, डायबिटीज, एनीमिया के विरूद्ध जन जागरूकता कार्यक्रम टीकाकरण की जानकारी देते हुए कहा कि मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ता और एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से स्वास्थ्य के सूचकांकों में सुधार लाया जायेगा।

नीति आयोग की कंसल्टेंट प्राची शर्मा ने आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाडी कार्यकर्ताओं से संवाद कर मैदानी क्षेत्र में कार्यक्रम क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि सतना जिले के दूसरे आकांक्षी ब्लाक रामपुर बघेलान में सम्पूर्णता अभियान का शुभारंभ 5 जुलाई को दोपहर 2 बजे रामपुर बघेलान जनपद पंचायत में किया जायेगा।

चित्रकूट क्षेत्र के पौराणिक-धार्मिक महत्व वाले 9 स्थान चिह्नित

रामवन गमन पथ विकास के बजट में होगी सतना की बड़ी हिस्सेदारी

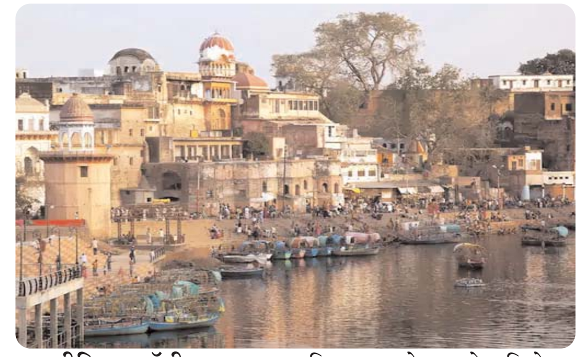

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के पिटारे से राम वन गमन पथ के विकास के लिए निकली सौगात में से सतना की हिस्सेदारी बड़ी होगी। सरकार की तरफसे किए गए 34 करोड़ के बजट प्रावधान में सर्वाधिक राशि सतना के हिस्से में आएगी। सतना जिले के चित्रकूट क्षेत्र में भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल में साढ़े 11 वर्ष का लंबा समय व्यतीत किया था। इस दौरान वे इस अंचल के विभिन्न स्थानों पर गए थे, जिनका पौराणिक और धार्मिक महत्व आज भी है। श्रद्धालु यहां दर्शन पूजन करने पहुंचते हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने भगवान श्रीराम के वन गमन क्षेत्र में बिखरी धरोहरों को संरक्षित करने के लिए रामवन गमन पथ विकास प्रोजेक्ट बनाया है।

इस प्रोजेक्ट के लिए इस बार बजट में किए गए 34 करोड़ रुपए के प्रावधान का लाभ चित्रकूट क्षेत्र को मिलेगा। हालांकि यह राशि प्रदेश के 9 जिलों के चिह्नित 23 स्थानों पर खर्च की जानी है। लेकिन इसमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी सतना जिले के चित्रकूट अंचल की होगी। क्योंकि प्रदेश भर में चिह्नित 23 स्थानों में से सर्वाधिक 9 स्थान सतना में हैं जबकि पड़ोसी जिले पन्ना में भी 4 स्थान चिह्नित हैं।

सतना के क्या-क्या: मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के वनवास काल से जुड़ी कई धरोहरें चित्रकूट क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। इनमें स्फटिक शिला, सती अनुसुइया आश्रम, सरभंगा,अत्रि मुनि का आश्रम, सुतीक्ष्ण आश्रम, श्रीराम प्रतिज्ञा स्थल सिद्धा पर्वत, गुप्त गोदावरी तथा रक्सेलवा में राम शैल व सीता रसोई जैसे पवित्र स्थान हैं। इसी तरह पन्ना में बृहस्पति कुंड, अग्निजिह्वा तथा अगस्त्य मुनि आश्रम तथा शारंगधर आश्रम हैं।

एक पेड मां के नाम सतना जिले में रोपित किये जायेंगे 20 हजार पौधे

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य शासन के निर्देशानुसार वर्षा ऋतु में पौध रोपण का कार्यक्रम बृहद स्तर पर किया जाना है। पौधा रोपण कार्यक्रम में जन प्रतिनिधियों एवं आमजन की भागीदारी सुनिश्चित कर इसे एक अभियान के रूप में लिया जायेगा। अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल ने सभी कलेक्टर्स को पत्र लिखकर कहा है कि पौध रोपण हेतु शासकीय एवं गैर शासकीय कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, अस्पतालों के बंद प्रांगणों में किया जाये ताकि पौधे सुरक्षित रहे। ऐसे स्थलों का चयन किया जाये जहॉं पौधों को पर्याप्त धूप मिल सके और जल निकासी की व्यवस्था हो। पौधों का चयन करते समय देशी प्रजाति के वृक्षों को प्राथमिकता दें। रोपण के समय उचित रोपण तकनीक का पालन किया जाये। प्राथमिकता के आधार पर उचित दूरी पर बरगद, पीपल, नीम, सागौन, आम, जामुन, सिस्सू, आंवला, महुआ आदि जैसी प्रजातियों का रोपण किया जाये। पौधा रोपण के बाद समय-समय पर पानी, खाद निंदाई, जैसे कार्य पौधों की देखभाल का ध्यान रखा जाये। वृक्षारोपण के लिए जुलाई-अगस्त की अवधि निर्धारित की गई है।

इसके अलावा भारत सरकार वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार ''एक पेड मां के नाम-प्लांट फार मदर कार्यक्रम के तहत पूरे मध्यप्रदेश में 12 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है। लक्ष्य के अनुसार ग्राम पंचायत, नगर पंचायत एंव जिला मुख्यालयों पर पौध रोपण किया जायेगा। सतना जिले में एक पेड मां के नाम के तहत 20 हजार पौधा रोपण और मैहर जिले में 10 हजार पौध रोपण का लक्ष्य रखा गया है।

पश्चिम बंगाल पुलिस की सतना में दबिश

दो हमलावरों को पकड़ा, कोलकाता युनिवर्सिटी की छात्रा का काट दिया था हाथ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। पश्चिम बंगाल पुलिस ने सतना में दबिश देकर कोलकाता युनिवर्सिटी की छात्रा पर हमला करने के मामले के 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर सतना से अपने साथ ले गई।

जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल के हुबली जिले की चंडी ताला थाना पुलिस ने बुधवार को सतना में दबिश देकर दो हमलावरों को अपने शिकंजे में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों में शेख सद्दाम अली और शेख राहुल अमीन शामिल हैं। दोनों यहां सिटी कोतवाली अंतर्गत नजीराबाद में एक मकान में छिपे हुए थे और सतना के सर्राफा मार्केट में काम कर रहे थे।

बताया गया कि पश्चिम बंगाल के हुबली जिले के चंडी ताला थाना अंतर्गत ग्राम श्यामसुंदर(20) कोलकाता विश्वविद्यालय में एलएलबी की पढ़ाई कर रही है। कॉलेज आते-जाते समय कुछ शोहदे उसे परेशान करते थे। तंग आकर उसने इसकी शिकायत पुलिस से कर दी थी लेकिन कोई कार्रवाई तो नहीं हुई, उल्टे 16 मई को तीन युवकों ने बीच बाजार उस पर हमला कर उसका हाथ काट दिया और सोने की चेन लूट ली।

इस घटना की शिकायत भी पुलिस से की गई लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ नतीजतन पीड़िता ने एसपी और महिला आयोग को ईमेल कर अपनी पीड़ा बताई। एसपी और महिला आयोग के दखल के बाद पुलिस हरकत में आई और मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन दो आरोपी शेख सद्दाम अली और शेख राहुल अमीन फरार हो गए।

चंडी ताला थाना पुलिस को फरार आरोपियों की तलाश के दौरान साइबर सेल के जरिये उनकी लोकेशन सतना में मिली। बुधवार को चंडी ताला थाना पुलिस की एक टीम सतना पहुंची और सिटी कोतवाली पुलिस की मदद से उसने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पश्चिम बंगाल पुलिस ने उन्हें अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड ली और दोनों आरोपियों को अपने साथ लेकर हुबली रवाना हो गई।

रेलवे ने बढ़ाई चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की परिचालन अवधि

सतना-कटनी और जबलपुर स्टेशनों पर रहेगा स्टॉपेज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और भीड़ के मद्देनजर पश्चिम मध्य रेलवे के सतना, मैहर, कटनी और जबलपुर स्टेशनों से होकर गुजरने वाली 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की परिचालन अवधि बढ़ा दी है। पश्चिम मध्य रेलवे के सीपीआरओ की तरफसे दी गई जानकारी के अनुसार ये स्पेशल ट्रेनें पहले सिर्फ जून के महीने तक चलनी थी लेकिन अब सितंबर-अक्टूबर तक ट्रैक पर दौड़ती रहेंगी।

सिकंदराबाद-रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन: ट्रेन संख्या 07007 सिकंदराबाद-रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन पहले 26 जून 2024 तक अधिसूचित थी लेकिन अब 10 जुलाई से 25 सितंबर तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 07008 रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल पहले 28 जून तक अधिसूचित थी, लेकिन अब यह गाड़ी 12 जुलाई से 27 सितंबर तक चलेगी। दोनों दिशाओं में यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के सतना, कटनी, जबलपुर एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरती है।

सिकंदराबाद-दानापुर-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन: ट्रेन संख्या 07647 सिकंदराबाद-दानापुर साप्ताहिक स्पेशल पहले 29 जून तक चलनी थी लेकिन अब यह गाड़ी 6 जुलाई से 28 सितंबर तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 07648 दानापुर-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन पहले 1 जुलाई तक अधिसूचित थी लेकिन अब 8 जुलाई से 30 सितंबर तक चलेगी। दोनों दिशाओं में यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के सतना, कटनी, जबलपुर, पिपरिया एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरती है।

सिकंदराबाद-दानापुर-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन: ट्रेन संख्या 07419 सिकंदराबाद-दानापुर साप्ताहिक स्पेशल 29 जून तक अधिसूचित थी किंतु अब यह गाड़ी 6 जुलाई से 28 सितंबर तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 07420 दानापुर-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन भी अब 30 सितंबर तक चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन भी सतना, कटनी, जबलपुर, पिपरिया एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरती है।

जालना-छपरा-जालना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन: ट्रेन संख्या 07651 जालना-छपरा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की अवधि भी अब 26 जून से बढ़ाकर 25 सितंबर कर दी गई है। डाउन ट्रैक पर ट्रेन संख्या 07652 छपरा-जालना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की परिचालन अवधि 28 जून से बढ़ाकर 27 सितंबर कर दी गई है ।यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गुजरती है।

सिकंदराबाद-निजामुद्दीन-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन: ट्रेन संख्या 07031 सिकंदराबाद-निजामुद्दीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन भी अब 29 सितंबर तक चलेगी जबकि वापसी में भी ट्रेन संख्या 07032 निजामुद्दीन-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन भी अब 1 अक्टूबर तक चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन बीना, भोपाल एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरती है।

नाबालिग का अपहरण कर बनाया बंधक

20 दिन तक करता रहा दुष्कर्म, आरोपी को उम्र कैद

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नाबालिग छात्रा को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में सतना जिले के नागौद की अदालत ने आरोपी को उम्र कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 3 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया है।

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नागौद सचिन शर्मा ने वर्ष 2021 में नाबालिग छात्रा को अगवा कर उसे बंधक बनाए रखने और दुष्कर्म करने के एक मामले में आरोपी कंचन कुशवाहा पिता मुन्नीलाल कुशवाहा (22) निवासी ग्राम मसनहा थाना सिंहपुर को दोषी करार दिया है। न्यायाधीश ने अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा और 3 हजार रुपए जुर्माने की सजा से दंडित किया है। प्रकरण में राज्य शासन की तरफसे विशेष लोक अभियोजक विनोद प्रताप सिंह ने पैरवी की।

अभियोजन के अनुसार, 22 अक्टूबर 2021 को 17 वर्षीया नाबालिग छात्रा अपने घर से ऑनलाइन फॉर्म चेक कराने गई थी लेकिन शाम तक लौट कर घर वापस नहीं आई। उसका मोबाइल फोन भी स्विच ऑफथा।

परिजन ने हर संभावित स्थान पर उसकी तलाश की लेकिन कुछ पता न चलने पर अपहरण की आशंका जताते हुए थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने नाबालिग की तलाश शुरू की। लगभग 20 दिन बाद 13 नवंबर को नाबालिग को खोज निकाला गया। पुलिस ने उसके बयान दर्ज किए जिसमें उसने बताया कि आरोपी ने उसे अगवा कर बंधक बनाया और दुष्कर्म किया। पुलिस ने आईपीसी की धारा 363 ,366 ,376 (2) छ एवं पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया और प्रकरण अदालत में पेश किया।

राज्य सरकार का लक्ष्य हर पात्र नागरिक को मिले प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उस सबसे गरीब और सबसे कमजोर आदमी (महिला) का चेहरा याद करें जिसे आपने देखा हो, और खुद से पूछें, कि क्या आप जो कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं, वह उसके किसी काम का होगा। क्या उसे इससे कुछ हासिल होगा? भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा दिया गया यह टैलिस्मन विकास के सम्पूर्ण अभिप्राय के बारे में बताता है।

मध्यप्रदेश का बजट 2024-25 इसी दृष्टिकोण के मूल आधार पर निर्मित किया गया है। बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ और ग्रामीणों के जीवन को उन्नत बनाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 27 हजार 870 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र है विकास का उपरिकेंद्र: पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जन कल्याणकारी बजट के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह अब तक की सबसे बड़ी धनराशि का बजट है। ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, यह बताता है कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को विकास का उपरिकेंद्र मानती है। प्रदेश के ग्रामों का समग्र विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने के तत्काल बाद ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अगले चरण की घोषणा की।

केंद्र सरकार की इस घोषणा का प्रदेश के नागरिकों को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो इसके लिए बजट में 4 हज़ार करोड़ का प्रावधान आवास योजना के लिये प्रस्तावित किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में यह बजट एक सकारात्मक क़दम है।

मध्यप्रदेश में बनेगा दिल्ली की तरह एयर कार्गो हब : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने एयर कार्गो उद्योग को प्रदेश के विकास में सहभागी बनने का दिया निमंत्रण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति एवं विकसित अधोसंरचना को देखते हुए मध्यप्रदेश में दिल्ली की तरह एयर कार्गो हब बनने की पूरी संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश भारत के दिल (मध्य) में स्थित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में रेलवे, मेट्रो और एक्सप्रेस-वे का घना जाल बिछाया जा चुका है। अब प्रदेश में हवाई यातायात एवं कार्गो की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में सातों एयरपोर्ट में कार्गो की संभावना है। ये विचार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एयर कार्गो फोरम इंडिया के वार्षिक कॉन्क्लेव-2024 में व्यक्त किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जहां अंतर्राज्यीय वायु सेवा प्रारंभ की गई है। प्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है, जिसमें सक्षम व्यक्तियों के अलावा आयुष्मान कार्ड धारकों को भी इस सेवा का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हेली सर्विस भी शुरू करवाई गई है। इस दृष्टि से वायु परिवहन के साथ साथ एयर कार्गो के लिए भी प्रदेश में समुचित अधोसंरचना विकसित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के संसाधनों के दोहन के लिए व्यापार को बढ़ावा देने के लिए और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रदेश में कार्गो हब का निर्माण सहायक होगा। भविष्य में मध्यप्रदेश को व्यापार का केंद्र बनाने के लिए फ्यूचर रेडी मध्यप्रदेश नाम से डेस्क भी तैयार किया गया है। प्रदेश की आर्थिक विकास गति 20 प्रतिशत से अधिक है और कृषि विकास की दर 25 प्रतिशत है। गत दिवस प्रस्तुत किए गए प्रदेश के बजट में पिछले बजट के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में एयर कार्गो के माध्यम से 6 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का परिवहन होता है। उन्होंने बताया कि इस दृष्टि से एयर कार्गो उद्योग के लिए मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एयर कार्गो उद्योग को प्रदेश के विकास में सहभागी बनने और प्रदेश में निवेश करने का निमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एयर कार्गो फोरम इंडिया द्वारा प्रकाशित 'स्किलिंग मैन्युअल' नाम की पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एयर कार्गो फोरम इंडिया टास्क पिलर्स: स्किल डेवलपमेंट, नॉलेज एंड रिसर्च, डिजिटल ऑटोमेशन, गो ग्रीन, डोमेस्टिक एयर कार्गो, प्रोसेस सिंपलिफिकेशन, ब्रांडिंग, पॉलिसी एडवोकेसी और इवेंट मैनेजमेंट के लीडर्स को भी सम्मानित किया।

जिले में अब तक 107.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना निप्र। जिले में इस वर्ष 1 जून से 4 जुलाई 2024 तक 107.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 207.1 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 99.4 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 60.9 मि.मी, बिरसिंहपुर में 91 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 49 मि.मी., नागौद में 138.3 मि.मी., जसो (नागौद) में 42 मि.मी. एवं उचेहरा में 175 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।